www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
17 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 54 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी सरकार की हर कॉरिडोर और चौड़ीकरण योजना में घोटाला

● सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लगाया बड़ा आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार के द्वारा बनाए गए कॉरिडोर और चौड़ीकरण योजनाओं में घपले-घोटाले का आरोप लगाया है। यादव ने मंगलवार को कहा कि ऐसे घपले-घोटालों की न्यायिक जांच की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो को लेकर कहा गया है कि अयोध्या में 1940 में बनाए गए एक शिव मंदिर को बाबा का बुलडोजर गिरा रहा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा सरकार के बनाए हर 'कॉरिडोर' और 'चौड़ीकरण' की योजना के पीछे जो घपला-घोटाला है, उसकी बहुसदस्यीय न्यायिक जांच होनी चाहिए। अखिलेश ने आरोप लगाया, इसमें संलिप्त किसी ट्रस्टी, किसी समिति के सदस्य या किसी प्रशासनिक एवं विकास प्राधिकरण के अधिकारी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इतने बड़े घोटाले इन सभी की मिलीभगत से ही संभव होते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, पिछले कुछ सालों में इन कामों से जो भी जुड़ा रहा है और जिन पदाधिकारियों और अधिकारियों ने मुख्य-मुख्य भूमिका निभाई है।

तलवार लेकर आम लोगों पर टूट पड़े सिख यात्री

● मारपीट में कई लोग जख्मी बदरीनाथ यात्रा रुकी

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के बीच बड़ी खबर आई है। मंगलवार सुबह चमोली जिले के कर्णप्रयाग में सिख समुदाय के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में किसी बात को लेकर मारपीट हो गई। इस दौरान सिख समुदाय से जुड़े लोगों ने तलवारें निकाल ली और लोगों पर टूट पड़े। जवाब में स्थानीय लोगों ने हमला किया है। इस घटना में आठ लोग बुरी तरह से घायल हो गए। एक को देहरादून रेफर किया गया है। घटना के बाद लोगों गुस्से में

आकर प्रदर्शन किया और साढ़े चार घंटे बदरीनाथ यात्रा ठप रही। इस दौरान कर्णप्रयाग में करीब 15 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मंगलवार को कर्णप्रयाग में सिख तीथ यात्रियों और स्थानीय लोगों के बीच खूनी संघर्ष में आठ लोग घायल हो गए। घायलों को कर्णप्रयाग सहित अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। एक स्थानीय युवक की हालत को गंभीर देखते हुए उसे प्राथमकि उपचार के बाद एयर लिफ्ट से देहरादून रेफर किया गया है।

टीएमसी विवाद

फैसले से पहले दोनों गुटों का पक्ष सुनेंगे स्पीकर

ममता खेमे को भी बुलाया, विलय के दावे पर कानूनी राय लेंगे

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने लोकसभा में अलग ग्रुप के तौर पर मान्यता देने की मांग की है। इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद फैसला करेंगे। एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर

कार्यालय ने ममता बनर्जी खेमे के सांसदों को भी ईमेल भेजकर बैठक के लिए बुलाया है। दोनों पक्षों से बात करने के बाद ही फैसला होगा। यह फैसला संसद के मानसून सत्र से पहले आ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, स्पीकर इस मामले में कानून मंत्रालय की राय भी ले सकते हैं। यह राय इसलिए ली जा रही है, ताकि स्पीकर का फैसला अदालत में चुनौती मिलने पर भी कानूनी जांच में टिक सके। रविवार को टीएमसी के 20 बागी सांसदों में से 17 ने स्पीकर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था और अपने गुट के एनसीपीआई में विलय की जानकारी दी थी।

डॉक्टर के पर्चे के बिना नहीं मिलेगा कोई भी 'सिरप'

● केंद्र सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन, बढ़ेगी सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब आम आदमी डॉक्टर के पर्चे के बिना मेडिकल स्टोर से 'सिरप' नहीं खरीद सकेगा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के अनुसार, खांसी की सिरप समेत सभी 'सिरप' अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेंगी। किसी भी सिरप के लिए अब डॉक्टर से लिखवाना जरूरी होगा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब 'सिरप' श्रेणी की दवाएं बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं बेची जा सकेंगी। यह बदलाव कानून, 1945 में संशोधन के जरिए किया गया है। मंत्रालय की ओर से 9 जून 2026 को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि नियमों की अनुसूची-के में सूचीबद्ध दवाओं से सिरप शब्द को हटा दिया गया है।

खराब क्वालिटी वाले कफ सिरप के बाद निर्णय

रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम भारत और दूसरे देशों में खराब क्वालिटी वाले कफ सिरप के कई मामलों के सामने आने के बाद उठाया गया है। इनकी वजह से कुछ समय पहले मध्य प्रदेश में बच्चों की मौतें हुई। मध्य प्रदेश में मामले सामने आने के ठीक बाद पिछले साल नवंबर में ड्रग्स रेगुलेटर की 'ड्रग कंसल्टेटिव कमिटी' की बैठक में इस मामले पर चर्चा हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों की समिति ने प्रस्ताव रखा गया कि कफ सिरप के मामले में, शेड्यूल के तहत दी गई छूट को हटा दिया जाए। एजेंसी ने इस मामले पर विचार-विमर्श किया और प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कमेटी ने इस बात पर भी गौर किया कि क्या सिरप बनाने के लिए प्रोपलीन ग्लाइकॉल के अलावा दूसरे एक्सिपिएंट्स का इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि प्रोपलीन ग्लाइकॉल को ही एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे दूषित पदार्थों का स्रोत माना जाता है।

नीट री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक

● 21 को परीक्षा, 22 जून तक एप काम नहीं करेगा ● बड़ी सख्ती! मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। एनटीए ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026

तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है। नीट री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने एग्जाम के बाद भी टेलीग्राम को अपना मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए मैसेज 30 जून तक एडिट नहीं हो पाएंगे।

राज्य पुलिस एजेंसियां भी हैं ऐक्टिव

राज्य पुलिस एजेंसियों ने भी इस तरह की धोखाधड़ी के खिलाफ कार्रवाई की है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने 9 जून को चेतावनी जारी की थी। वहीं अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया, जो 8 टेलीग्राम चैनलों के जरिए ठगी कर रहा था। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला कि एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह ने फर्जी बैंक खातों के जरिए करीब 1.5 करोड़ का लेनदेन किया। गिरोह ने एक महीने में करीब एक हजार मोबाइल नंबरों से संपर्क किया था। एनटीए ने कहा है कि टेलीग्राम पर लगी रोक से लाखों लोग प्रभावित होंगे।

बारिश में देरी!

तेलंगाना में अटका मानसून

● छत्तीसगढ़ में बारिश के लिए 3-4 दिन का समय बाकी ● महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हफ्तेभर करना होगा इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून तेलंगाना के भद्राचलम में 6 दिन से अटका हुआ है। इस वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। यहां कई हिस्सों में गर्मी लौट आई है।

वर्ल्ड मेट्रोलॉजी ऑर्गनाइजेशन की हाइड्रोमेट्री टीम के मेंबर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 3 से 4 दिन, तो मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री करीब हफ्तेभर बाद हो सकती है। उनका यह भी कहना है कि इस हफ्ते के अंत तक बारिश की गतिविधियों में सुधार संभव है। मानसून के कमजोर होने की वजह समुद्र में नमी की कमी नहीं, बल्कि ऊपरी वायुमंडल की हवाओं का असामान्य पैटर्न है। इन हवाओं को जेट स्ट्रीम कहते हैं। ये हवाएं इस बार सामान्य से ज्यादा दक्षिण

की ओर खिसक गई है, जिससे मानसून की गति प्रभावित हो रही हैं।

जेट स्ट्रीम कमजोर होने पर आगे बढ़ेगा मानसून

मौसम विभाग के मुताबिक, जेट स्ट्रीम का मौजूदा पैटर्न कमजोर होने पर मानसूनी हवाएं तेज होंगी। अगले 4-5 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और अन्य हिस्सों में आगे बढ़ने की परिस्थितियां बन सकती हैं। जेट स्ट्रीम वायुमंडल की ऊपरी परतों में बहने वाली अत्यंत तेज हवाएं हैं। ये आमतौर पर पृथ्वी की सतह से करीब 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई होती है। ये मानसूनी बादलों और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस यानी पश्चिमी विक्षोभ को प्रभावित करती हैं।

● **अरब सागर में भी 8 जून से फंसा मानसून**- इधर, अरब सागर से उठ रही मानसूनी हवाएं भी 8 जून से अटकी हुई हैं। इस वजह से देश के अंदर पहुंच चुकीं मानसूनी हवाओं को पुश नहीं मिल पा रहा है। यानी, मानसूनी हवाओं को तेलंगाना से छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की तरफ धकेलने के लिए जरूरी प्रेशर नहीं बन रहा है।

● **सैटेलाइट इमेज में गायब दिखे मानसूनी बादल**- 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। एक दिन पहले, यानी 14 जून को भारत का बड़ा हिस्सा बादलों से ढका दिखाई दिया था। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जून से 15 जून के बीच देश में सामान्य 53.7 मिमी के मुकाबले सिर्फ 19.2 मिमी बारिश हुई। यानी बारिश में 64 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई शहरों में सोमवार को तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा 43.4 उत्तर प्रदेश के बांदा में दर्ज किया गया।

16 एमएलए और 7 सांसद छोड़ेंगे उद्धव का साथ!

● सात दिनों में शिवसेना यूबीटी में हो सकती है बहुत बड़ी टूट

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) जल्द ही एक बार फिर बड़े विभाजन का सामना कर सकती है। खबरें हैं कि संसद के मॉनसून सत्र से पहले ही दल के सांसद बगावत कर सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। पार्टी के असंतुष्ट सांसदों की संख्या 7 बताई जा रही है। ये घटनाक्रम तृणमूल कांग्रेस में जारी टूट के बीच हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि 14 से 16 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। साथ ही कहा है कि यह टूट आने वाले 6 से 7 दिनों के अंदर हो सकती है।

● **मॉनसून सत्र के पहले ही हो जाएगी टूट** - तुमाने ने कहा, ऐसा है कि ऑपरेशन टाइगर के मामले में जो 7 सांसदों के साथ हमारी चर्चा अंतिम चरण में आ चुकी है। जब हम ऑपरेशन करने किसी अस्पताल में जाते हैं, तो पहले जांच की जाती है। जांच हो चुकी है, रिपोर्ट्स आ चुकी है और बस अब ऑपरेशन का दिन तय होना है। उन्होंने कहा, मॉनसून सत्र के पहले ही हो जाएगा। उन्होंने विलय की अटकलों को लेकर स्थिति साफ नहीं की। शिवसेना नेता ने कहा, हमारी सारी बातें हैं। आपको बताना अभी ठीक नहीं है। ये हमारे साथ आएंगे, ये बात पक्की है। आ गए हैं लगभग।

अमेरिका-ईरान में पीस डील पर हुए डिजिटल हस्ताक्षर

● 19 जून को होगी औपचारिक डील, खाका हो गया तैयार ● ईरान को 28 लाख करोड़ हर्जाना दे सकता है अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका-ईरान समझौता पूरा हो चुका है और इस पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में औपचारिक हस्ताक्षर होंगे। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करेंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रम्प, जेडी वेंस और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ डिजिटल रूप से समझौते पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। हालांकि, समझौते का पूरा मसौदा अभी सार्वजनिक

नहीं किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि दस्तावेज शुक्रवार के बाद जारी किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला एक शुरुआती मसौदा तैयार हुआ है, जिस पर आगे तकनीकी स्तर की बातचीत होगी। वहीं कुछ रिपोर्टों के मुताबिक ईरान को आर्थिक सहायता के लिए करीब 28 लाख करोड़ रुपए का पैकेज मिल सकता है, हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

ट्रम्प बोले- ईरान शर्तें पूरी करे तभी राहत मिलेगी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ किया कि ईरान को प्रतिबंधों से राहत तभी मिलेगी, जब वह समझौते की सभी शर्तों का पालन करेगा। अमेरिका ने फिलहाल किसी भी तत्काल आर्थिक राहत से इनकार किया है। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने कहा कि यह ट्रम्प की डील है और इजराइल इससे बंधा नहीं है। वहीं रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी साफ किया कि दक्षिणी लेबनान से सेना नहीं हटेगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार को निष्क्रिय कर एजेंसी की निगरानी में रखा जाना चाहिए, ताकि उसका इस्तेमाल परमाणु हथियारों के लिए न हो सके।

लालू ने रखा था पत्थर; मोदी सरकार देगी रफ्तार

● 1852 करोड़ रुपए से बिहार में बनेगी नई रेल लाइन ● 17 साल बाद आगे बढ़ेगी जलालगढ़-किशनगंज रेल लाइन

किशनगंज (एजेंसी)। सीमांचल क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र को पूर्वोत्तर भारत से जोड़ने वाली जालालगढ़- किशनगंज नई रेल लाइन बिछने की उम्मीद फिर से जगी है। साल 2008-09 में स्वीकृत हुई यह परियोजना तकनीकी और बजटीय कारणों से करीब 17 वर्षों से ठप पड़ी थी, लेकिन अब इसे फिर से गति दिया जा रहा है।

रेलवे बोर्ड और उत्तर पूर्वी सीमांत रेलवे इसकी संशोधित लागत का अंतिम मूल्यांकन कर रही हैं। तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने वर्ष 2008-09 में इस परियोजना का शिलान्यास किया था। उस समय इसकी अनुमानित लागत 360 करोड़ रुपए थी। करीब 17 सालों में भूमि अधिग्रहण और निर्माण लागत में वृद्धि के कारण अब परियोजना की लागत बढ़कर लगभग 1852

करोड़ रुपये के करीब हो गई है। प्रस्तावित रेल लाइन की कुल लंबाई 51.632 किलोमीटर होगी।

यह रेल मार्ग पूर्णिया के जलालगढ़ जंक्शन से शुरू होकर अमौर, बैसा, रौटा, खाताहाट, महीनगांव, दौला जैसे क्षेत्रों से गुजरेगा और किशनगंज मुख्यालय तक पहुंचेगा। इस पूरे खंड में यात्रियों की सुविधा के लिए आठ नए रेलवे स्टेशन बनाने की योजना है।

● **यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन में होगा सुधार**- रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना के पूरा होने के बाद न्यू जलपाईगुड़ी से कटिहार जाने वाली ट्रेनों के लिए एक वैकल्पिक और अपेक्षाकृत छोटा मार्ग उपलब्ध होगा। इससे वर्तमान में अत्यधिक व्यस्त मुकुरिया-किशनगंज रेलखंड पर ट्रेनों का दबाव कम होगा। परियोजना से यात्री और मालगाड़ियों के परिचालन में सुधार आएगा। पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर यानी चिकन नेक क्षेत्र के समानांतर यह एक वैकल्पिक रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी। इस रेलवे लाइन का निर्माण हो जाने से आपातकालीन परिस्थितियों में सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लिए यह मार्ग रणनीतिक कवच साबित हो सकता है।

सुरक्षा की दृष्टि से वैकल्पिक रेलवे रूट बनेगा

इस नए रेल खंड के निर्माण से जहां सुरक्षा की दृष्टि से वैकल्पिक रेलवे रूट बनेगा, वहीं सुदूर ग्रामीण क्षेत्र को रेलवे कनेक्टिविटी सुविधा मिल जाएगी। दरअसल, तत्कालीन किशनगंज सांसद मरहूम तस्लीमुद्दीन के पहल से तत्कालीन यूपीए सरकार के समय इस परियोजना को हरी झंडी मिली थी, लेकिन तत्कालीन रेल मंत्री के शिलान्यास के कुछ दिनों के बाद इस परियोजना में ग्रहण लग गया था और 17 साल तक इस परियोजना पर काम शुरू नहीं हो पाया। वहीं, अब केंद्र सरकार ने परियोजना को रिवाइज कर राशि देने की घोषणा की है। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बताया कि किशनगंज-जलालगढ़ के बीच नई रेल लाइन बिछाने को लेकर कार्य चल रहा है। रेल मंत्रालय जल्द ही इस दिशा में काम शुरू होगा।

घर पर अनुस्पस्थित मतदाताओं के घर बीएलए को साथ ले जाएं बीएलओ:सीईओ

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम एवं भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार ने मंगलवार को संयुक्त रुप से सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांन्फ्रेंस कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में गणना फार्म वितरण एवं डिजिटाइज करने सम्बंधी उच्च स्तरीय समीक्षा की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी जनपद फार्म वितरण का शतप्रतिशत तय समयसीमा में करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में फार्म वितरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है वे जनपद फार्म डिजिटाईजेशन पर ध्यान दें। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिलाधिकारी स्वयं बूथवार समीक्षा करें, जिन बूथों पर वितरण और डिजिटाईजेशन की प्रगति धीमी है उन स्थानों पर अतरिक्त कार्मिकों को हेल्पिंग हेंड के रुप में लगाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि घर पर अनुस्पस्थित मतदाताओं के घर बीएलए और बीएलओ साथ–साथ जाएं और अनिवार्य रुप से तीन विजिट करें। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार ने निर्देश दिए कि जिन जनपदों में फार्म वितरण का कार्य पूर्ण हो चुका है और वहां मतदाता उपस्थित नहीं हैं, तो डिजिटाईजेशन का कार्य पूर्ण करने के बाद ऐसे मतदाताओं की सूची बीएलओ सम्बंधित बूथ लेवल एजेंट्स से भी साझा कर लें। जिन स्थानों पर एबसेंट,शिफ्टेड, डेथ और डुप्लीकेट वोटर हैं उनके गणना फार्म पर बीएलओ फील्ड रिपोर्ट दर्ज करें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विजय कुमार जोगदण्डे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चन्द्र दुम्का, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित सभी जनपदों के जिलाधिकारी और ईआरओ उपस्थित रहे।

महिला इंजीनियर की मौत मामले में जांच की मांग उठी

देहरादून। मसूरी में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला इंजीनियर की मौत के मामले में परिजनों ने सवाल उठाए हैं। परिजनों ने मौत के कारणों की जांच करने की मांग की है। मसूरी पुलिस ने बिसरा सुरक्षित रख लिया है। मसूरी कोतवाली पुलिस ने 15 जून को कियाना होम स्टे, टिपरीधार, मसूरी–धनोल्टी मार्ग स्थित एक कमरे में महिला इंजीनियर का शव बरामद किया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि दंपति कमरे में ठहरे थे। मृतका की पहचान पी. राधा गायत्री (उम्र 27 वर्ष) पत्नी सौम्या श्रीचरण, निवासी मास्टर ब्लॉक, मधुबन रोड, नियर चादर विला, शकरपुर वासमल ईस्ट नई दिल्ली और वर्तमान पता डी–2, टावर–13, किदवई नगर ईस्ट, दिल्ली के रूप में हुई थी। इस मामले में मृतका के पिता ने मसूरी पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर मौत के कारणों की जांच की मांग की है। वहीं, मंगलवार को कोरोनेशन अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम परीक्षण डॉक्टरों के पैनल द्वारा किया गया। पोस्टमार्टम के दौरान मृतका के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए। साथ ही आगे की वैज्ञानिक जांच एवं मृत्यु के वास्तविक कारणों के निर्धारण के लिए बिसरा सुरक्षित किया गया।

स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में बड़ा कदम

बागेश्वर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों के सम्मान तथा कल्याण को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीर पहल शुरू कर दी है। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे के निर्देश पर मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों की समस्याओं, सुझावों और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनाते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों ने वृद्धजनों के लिए समुचित सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने समाज कल्याण विभाग को ओल्ड एज होम निर्माण की संभावनाओं का परीक्षण कर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रशासन का मानना है कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसी सुविधाएं सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगी। इसके अलावा कौसानी–भतड़िया मोटर मार्ग का नाम बदलकर "स्वतंत्रता सेनानी मोटर मार्ग" किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में प्रमुखता से उठा। मुख्य विकास अधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए। इस पहल को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को स्थायी सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों का राष्ट्र निर्माण में योगदान अतुलनीय और प्रेरणादायी है। ऐसे परिवारों से जुड़े सम्मान और सुविधाओं के मामलों को प्रशासन प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करेगा, ताकि उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य हो सके।

संक्षिप्त समाचार

सामूहिक विवाह की तैयारियां तेज, दूल्हों को मिले सूट दुल्हनों को लहंगे

देहरादून, जीएमएस रोड स्थित चौधरी फार्म हाउस में 19 जून को होने वाले 51 कन्याओं के सामूहिक विवाह की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को को प्रथम चरण में मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री खजान दास ने अपने जन्मदिवस पर प्रत्येक दूल्हे को सूट, पेंट, कोट, टाई और पगड़ी भेंट की। इससे पहले दिगंबर दिनेश पुरी, गोपालपुरी और संयोजिका प्रीति गुप्ता ने कन्याओं को लाल रंग के लहंगे दिए। वहीं उनके जन्मदिन के अवसर पर करनपुर में आतिशबाजी भी की गई। कार्यक्रम से पूर्व मंत्री खजान दास ने पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक और पूजा–अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना की। दिगंबर दिनेश पुरी ने बताया कि इस बार बारात घोड़े पर नहीं निकलेगी और बची राशि से प्रत्येक कन्या को 5100 रुपये की एफडी तथा करीब 5000 रुपये का गिफ्ट वाउचर दिया जाएगा।खजान दास ने कहा कि यदि किसी कन्या के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके तो जीवन धन्य हो जाता है।इस अवसर पर दिगंबर भागवत पुरी, दिगंबर दिनेश पुरी, गोपालपुरी, अशोक वर्मा, श्याम अग्रवाल, पुनीत मित्तल, सुनील उनियाल गामा, शादाब शम्स, अंकुर जैन, विक्की गोयल, रोहित अग्रवाल, नवीन गुप्ता, प्रीति गुप्ता, एडवोकेट राजकुमार गुप्ता, संजय कुमार गर्ग तथा कन्याओं के अभिभावक मौजूद रहे।

नर्सिंग बेरोजगार खफा, फिर आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। नर्सिंग एकता मंच का धरना 194वें दिन भी जारी एक माह का समय बीत जाने के बाद भी जीओ नहींदेहरादून, वरिष्ठ संवाददातावर्षवार नर्सिंग भर्ती की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत नर्सिंग कर्मियों का धरना आज 194वें दिन भी जारी रहा। सरकार की बेरुखी के कारण नर्सिंग समुदाय में भारी आक्रोश और निराशा बनी है।मंगलवार को उन्होंने चेतावनी दी है कि अब वह फिर से उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे, क्योंकि एक माह बीतने के बाद भी शासनादेश उनकी मांग पर प्रस्ताव भेजे जाने के बाद भी नहीं हुआ है। अध्यक्ष नवल पुंडीर बोले, यदि जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं आया, तो नर्सिंग बेरोजगार और कर्मी बड़ा आंदोलन करेंगे। इसे व्यापक बनाने के लिए जल्द ही कुमाऊं मंडल में भी धरना शुरू किया जाएगा। इस दौरान प्रवेश रावत, स्तुति, सुभाष, भास्कर, पवन आदि मौजूद रहे।

केतन प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

बागेश्वर। टिहरी जिले के प्रतापनगर क्षेत्र में केतन की कथित हत्या के मामले को लेकर विभिन्न संगठनों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। कलेक्ट्रेट में आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि प्रतापनगर के देवल गांव में हुई घटना बेहद दुखद और चिंताजनक है। उनका आरोप है कि एक अनुसूचित जाति समुदाय के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मामले में सामने आए तथ्यों और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो की भी जांच की जानी चाहिए, ताकि सत्य सामने आ सके। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने पर भी विचार किया जाए।

इप्लाईज यूनियन के अर्जुन बने अध्यक्ष,निशित महामंत्री

पिथौरागढ़। नगर के रोडवेज स्टेशन में उत्तराखण्ड रोडवेज इम्पलाइज यूनियन की बैठक हुई। बैठक में कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। बैठक के बाद नई कार्यकारिणी का गठन हुआ,नए पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया। मंगलवार को रोडवेज स्टेशन में रोडवेज इम्पलाइज यूनियन की बैठक हुई। बैठक में रोडवेज कर्मियों ने नियमितीकरण,बसों का बेडा बढाने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक के बाद चुनाव अधिकारी चंद्रशेखर पाण्डेय,मधुसूदन जोशी,चंद्र बल्लभ जोशी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। सर्वसम्मति से अर्जुन सिंह को दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष व निशित चंद को तीसरी बार शाखामंत्री चुना गया।भवान सिंह,गणेश सिंह सामंत को उपाध्यक्ष,कुंडल सिंह,हीरा ठगुन्ना को संयुक्त मंत्री,विनोद कुमार शाक्य का संगठन मंत्री चुना गया। चंद्रपाल वर्मा को कोषाध्यक्ष,सतीश कुमार को लेखा परीक्षक,चंद्र मोहन शर्मा को प्रचार मंत्री,विनोद कुमार सामंत को कार्यालय सचिव चुना गया।

माहवारी स्वास्थ्य पर ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों से किया संवाद

अल्मोड़ा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं और किशोरियों के बीच माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को लेकर तीन दिवसीय जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत बाल्टा, खेतीगांव और कटारमल में कार्यशालाओं का आयोजन कर प्रतिभागियों को माहवारी से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी विषयों की जानकारी दी गई।

एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन

देहरादून। मंगलवार को पत्र सूचना कार्यालय, देहरादून, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ऋषिकेश के रेल विकास निगम सभागार में एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला 'वार्ता' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे ऋषिकेश के मेयर शम्भू पासवान। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पासवान ने "लोक सेवा ही संकल्प– 12 साल विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के" विषय पर केंद्रित 5 पुस्तिकाओं का अनावरण भी किया। इन पुस्तिकाओं में विकास भी विरासत भी , राष्ट्र प्रथम ही मन्त्र , राष्ट्र निर्माण ही मिशन , सशक्तिकरण ही सामर्थ्य और लोक सेवा ही संकल्प से सम्बंधित योजनाओं का विस्तृत विवरण किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शम्भू पासवान ने बीते 12 वर्षों में भारत सरकार के आर्थिक विकास और पर्यावरण विरासत जैसे विषय पर केंद्रित योजनाओं के बारे में 'वार्ता' में मौजूद पत्रकारों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देशों में बहुत सारी लाभकारी योजनाएं समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही है। जिनमें मुख्य रूप से लखपति दीदी, पीएम स्वनिधि, आयुष्मान, आवास, किसान योजना प्रदेश के सुगम–दुर्गम इलाके की

जनता तक सीधे पहुंच रही हैं। वहीं उत्तराखंड के लिए मुख्य रूप से ऑलवेदर रोड, ऋषिकेश/कर्णप्रयाग रेल लाईन आदि विकास कार्य आज राज्य के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं। वहीं रेल विकास निगम ऋषिकेश/कर्णप्रयाग प्रोजेक्ट के डीजीएम ओमप्रकाश मालगुडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तराखंड को दी गई सौगात रेल परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना विकास के रूप में एक मील का पत्थर साबित होने जा रही है। उन्होंने बताया कि ये रेल प्रोजेक्ट आज अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेल प्रोजेक्ट के लिए आबादी और पर्यावरण को बिना प्रभावित किये तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक 16 सुरंगों का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है। जो पांच जिलों से होकर जा रही है। वहीं रेल सुरंगों से प्रभावित होने वाले गांवों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता पहुंचाई गई है।

वहीं रेल विकास निगम के मुख्य भू–वैज्ञानिक विजय डंगवाल ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए बताया कि हिमालय के अंदर बड़ी विविधता है, उसको ध्यान में रखकर ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट का एलाइनमेंट तैयार किया गया है। वहीं पर्यावरणीय दृष्टि से भी प्रोजेक्ट को तैयार किया गया है। जिसके लिए डिजिटल मैप भी बनाया गया है। वहीं उन्होंने महत्वपूर्ण रूप से जानकारी दी कि रेल प्रोजेक्ट के दौरान सुरंगों से निकलने वाले पानी को अमृत सरोवर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। जिससे पर्यावरणीय दृष्टि जल संरक्षण भी किया जा सके। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक ऋषिकेश के एचओडी (बिज़नेस) रोहित बडोला ने मीडिया कार्यशाला में मुख्य बिंदुओं (आर्थिक विकास, पीएम स्वनिधि, मुद्रा योजना, के माध्यम से आमजन के सशक्तिकरण के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में आज पूरे देश में आम व्यक्ति आर्थिक रूप से मजबूत होता जा रहा है।

लैब तकनीशियनों का सब्र टूटा, 20 जून को मुख्यमंत्री आवास कूच का ऐलान

देहरादून। मेडिकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट संघ के बैनर तले डिग्रीधारी बेरोजगार लैब तकनीशियनों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को 29वें दिन भी जारी रहा। सरकार से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने पर आक्रोशित युवाओं ने अब 'आर–पार' की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संगठन ने 20 जून को मुख्यमंत्री आवास कूच करने का निर्णय लिया है। मंच के अध्यक्ष आशीष चंद्र, महासचिव मयंक राणा और संगठन मंत्री अनुराग पंत ने आरोप लगाया कि 26 वर्षों से सेवानियमावली न बनने के कारण पद विज्ञापित नहीं हो पाए, जिससे हजारों युवा बेरोजगार हैं। तकनीशियनों की प्रमुख मांगों में वर्षवार मेरिट के आधार पर भर्ती नियमावली बनाना, आयु सीमा में छूट और सरकारी लैबों का निजीकरण बंद करना शामिल है।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर स्पष्ट नीति नहीं बनाती, तब तक आंदोलन और उग्र होगा।

डीएम से बसों के दो करोड़ 82 लाख के बकाया भुगतान की मांग

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद देहरादून मंडल के क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश नैथानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने गत 7 मार्च और 14 अप्रैल को आयोजित राजकीय कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध कराई गई बसों की लंबित देय धनराशि दो करोड़ 82 लाख रुपये का शीघ्र भुगतान करने की मांग की है। मंडल अध्यक्ष मुकेश नैथानी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि उत्तराखंड परिवहन निगम वर्तमान में गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। धनाभाव के कारण कर्मचारियों को अप्रैल और मई का वेतन तक नहीं मिल पाया है। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मियों के देयकों और दैनिक परिचालन व्ययों के भुगतान में भारी कठिनाई हो रही है। बताया कि मामले पर संवेदनशीलता दिखाते हुए डीएम ने इस धनराशि के भुगतान के लिए तत्काल आवश्यक व्यवस्था कराने और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ग्रामीणों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

नैनीताल। सीएचसी बेतालघाट में अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू करने, कोटाधरिया तोक को सड़क से जोड़ने और राजमार्ग–71 मार्ग पर हॉटमिक्स कराने की मांग को लेकर बेतालघाट के लोगों ने मंगलवार से आंदोलन शुरू कर दिया है। जिला पंचायत सदस्य संजय बोहरा, मनीष पंत, भूपेंद्र बिष्ट और पना बिष्ट ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।सिमलखा से जिला पंचायत सदस्य संजय बोहरा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बेतालघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। आंदोलनकारियों का कहना है कि मांगों के समाधान तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। संजय बोहरा ने बताया, कि एक जून को उन्होंने कैंची धाम तहसील में एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर 15 दिन के भीतर क्षेत्र की तीन प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग की थी। चेतावनी दी थी कि तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं किए जाने के बाद अब क्षेत्रवासियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। ग्रामीणों की मांग है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई जाए और स्थायी तकनीशियन की नियुक्ति की जाए।

बॉडी मसाज के बहाने ब्लैकमेल करने वाले गैंग पर केस

देहरादून। बॉडी मसाज के बहाने हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। शातिर गिरोह ने बॉडी मसाज सर्विस के नाम पर एक व्यक्ति को जाल में फंसाकर उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी दी।

पिस्तौल की नोक पर लाखों रुपये की रंगदारी वसूली गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुख्य आरोपी महिला समेत उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। राजपुर थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि आईटी पार्क क्षेत्र निवासी 48 वर्षीय व्यक्ति ने तहरीर दी। बताया कि करीब 5–6 महीने पहले उनकी मुलाकात संदीप कौर नाम की महिला से व्हाट्सएप के जरिए हुई थी। आरोपी महिला ने अपनी फोटो भेजकर बॉडी मसाज के लिए 8,000 रुपये का रेट बताया और सर्विस दी। इसके बाद वह व्हाट्सएप कॉल के जरिए पीड़ित से लगातार संपर्क में रही और बीच–बीच में ऑनलाइन व कैश पैसे ऐंठती रही। आरोप है कि बीती 25 अप्रैल को संदीप कौर ने पीड़ित को कॉल कर 15 लाख रुपये कैश की मांग की। मना करने पर संदीप कौर और उसके साथियों राहुल, परविंदर सिंह व खुद को वकील बताने वाले अन्य लोगों ने आईटी पार्क पुलिस चौकी के बाहर पीड़ित को घेर लिया। उन्होंने पीड़ित को झूठे रेप केस में फंसाकर पूरी जिंदगी जेल में सड़ाने व जान से मारने की धमकी दी।

नीट परीक्षा को लेकर दिए विशेषज्ञ टिप्स

देहरादून। 21 जून को होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी–कम–एंट्रेंस टेस्ट (नीट) की दोबारा परीक्षा को लेकर छात्रों में बढ़ते तनाव और घबराहट के बीच विशेषज्ञों ने अहम सलाह दी है। अन्वेशिका एजुकेशनल ट्रस्ट इंडिया के सीईओ और भौतिक विज्ञान के प्रो. आशीष कुमार पोरवाल ने कहा कि महीनों की कड़ी मेहनत के बाद परीक्षा को लेकर घबराहट होना स्वाभाविक है, लेकिन यदि इसे सही तरीके से प्रबंधित न किया जाए तो यह छात्रों की एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। प्रो. पोरवाल ने उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे अपने दिमाग और शरीर को वास्तविक परीक्षा के माहौल में ढालने के लिए ठीक उसी समय (दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक) मॉक टेस्ट दें। यह प्रक्रिया छात्रों का स्टैमिना और आत्मविश्वास बढ़ाएगी।

खेत बचाओ अभियान में किसानों को दी टिकाऊ खेती और कीट नियंत्रण की जानकारी

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की ओर से केंद्र सरकार के खेत बचाओ अभियान के तहत हवालबाग और स्याल्दे विकासखंड के गांवों में कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को टिकाऊ खेती, मृदा स्वास्थ्य और कीट प्रबंधन की जानकारी दी गई। संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों को जलवायु सहनशील खेती, खेत संरक्षण, रोग एवं कीट प्रबंधन तथा जैविक और प्राकृतिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया। हवालबाग विकासखंड के चाण, रौन, डाल और जुड़कफून गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में 63 किसानों ने भाग लिया। इस दौरान किसानों को संतुलित पोषण, एकीकृत पोषक प्रबंधन, जीवामृत और घनजीवामृत के उपयोग के साथ गोबर की खाद के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मंडुवा सहित अन्य फसलों को बंदरों, जंगली सूअरों और कुरमुला कीट से होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। वैज्ञानिकों ने अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद के उपयोग के साथ वीएल लाइट ट्रैप और बैसिलस सीरियस आधारित उपाय अपनाने की सलाह दी। स्याल्दे विकासखंड के पथरखोला गांव में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 किसानों ने भाग लिया।

'श्रमिक नेता के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई निरस्त हो'

रुद्रपुर। श्रमिक संयुक्त मोर्चा उधमसिंह नगर के कार्यकारी अध्यक्ष दलजीत सिंह के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई गुंडा एक्ट की कार्रवाई और उन्हें जिला बदर किए जाने की चेतावनी के विरोध में मंगलवार को विभिन्न ट्रेड यूनियनों, मजदूर एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने कुमाऊं कमिश्नर और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कुमाऊं क्षेत्र को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कार्रवाई निरस्त करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि जिन चार मुकदमों के आधार पर दलजीत सिंह को गुंडा एक्ट के तहत नोटिस जारी किया गया है, उनमें से एक मामले में उन्हें पहले ही दोषमुक्त किया जा चुका है, जबकि दूसरे मामले में उत्तराखंड हाईकोर्ट का स्थगन आदेश प्रभावी है।इसके बावजूद इन मामलों को रिपोर्ट में शामिल कर कार्रवाई शुरू की गई। शेष दो मामलों में भी जिला एवं सत्र न्यायालय, रुद्रपुर से उन्हें जमानत मिल

चुकी है। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा जारी नोटिस में दलजीत सिंह को क्षेत्र की शांति के लिए खतरा बताया गया है, जबकि नोटिस 11 मई को जारी होने के बावजूद लगभग एक माह बाद जून में उपलब्ध कराया गया। इससे प्रशासन की गंभीरता पर सवाल खड़े होते हैं। ज्ञापन में कहा गया कि एसएसपी की संस्तुति पर दलजीत सिंह को उधमसिंह नगर से निष्कासित करने की चेतावनी दी गई है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि पंतनगर स्थित इंटरार्क कंपनी में वर्षों से कार्यरत दलजीत सिंह को जिला बदर करना उनके और उनके परिवार के रोजगार व सम्मानजनक जीवन के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। संगठनों ने आरोप लगाया कि हर वर्ष जुलाई में इंटरार्क कंपनी में वेतन समझौता होता है और उससे ठीक पहले जून में गुंडा एक्ट का नोटिस जारी किया गया,

17 से 26 जून तक चलेगा 'नशा मुक्त भारत अभियान

देहरादून। देहरादून में 17 जून से 26 जून, 2026 तक "नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान" विषयक विशेष जनजागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के सहयोग से व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि जनपद के सभी विकासखंड, बहुउद्देशीय शिविरों, पंचायत स्तर की बैठकों तथा विभिन्न संस्थानों में नशा मुक्ति संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के दौरान ऑनलाइन एवं ऑफलाइन शपथ ग्रहण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 17 से 20 जून तक फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं मैराथन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। करीब 400 प्रतिभागी इसमें शामिल होंगे। प्रतियोगिताओं के प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 21 से 26 जून तक प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर रैली, दौड़ प्रतियोगिता, वॉकाथॉन, भाषण प्रतियोगिता, योग प्रतियोगिता, हस्ताक्षर अभियान तथा नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाएगा।

माहवारी स्वास्थ्य पर ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों से किया संवाद

अल्मोड़ा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं और किशोरियों के बीच माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को लेकर तीन दिवसीय जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत बाल्टा, खेतीगांव और कटारमल में कार्यशालाओं का आयोजन कर प्रतिभागियों को माहवारी से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी विषयों की जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम क्षेत्र में एक समय अवधि पर हो सिलेंडर वितरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सांसद अनिल बलूनी ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को पत्र भेजते हुए कोटद्वार व श्रीनगर नगर निगम क्षेत्र में एक समयावधि में सिलिंडर उपलब्ध करवाने की अपील की है। कहा कि वर्तमान में सिलिंडर डिलीवरी के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 45 व शहर क्षेत्र के लिए 25 दिन का समय निर्धारित किया गया है। लेकिन, पेट्रो कंपनियों ने कोटद्वार व श्रीनगर नगर निगम क्षेत्रों में कई हिस्सों को आज भी ग्रामीण क्षेत्र में रखा है, जिससे एक ही क्षेत्र में सिलिंडर वितरण के दो मानक लागू हो रहे हैं व आमजन को परेशानी हो रही है। कुछ दिन पूर्व कोटद्वार पहुंचे सांसद अनिल बलूनी को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने पत्र दिया था, जिसमें उन्होंने नगर निगम के चालीस वार्डों के लिए गैस वितरण के लिए अलग-अलग नियमों की बात कही। मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद अनिल बलूनी ने इस संबंध में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में नगर निगम का गठन किया गया था। लेकिन, गैस किल्लत के बाद पुराने वार्डों में 25 दिन में सिलिंडर मिल रहा है। जबकि, नए वार्डों में अब भी ग्रामीण क्षेत्र वाला नियम अपनाया जा रहा है। कहा कि इससे लोगों को भी नाराजगी बनी हुई है। यही स्थिति श्रीनगर में भी देखने को मिल रही है। उन्होंने पेट्रोलियम मंत्री से कोटद्वार व श्रीनगर नगर निगम क्षेत्रों में एक समान मानकों के अनुरूप गैस वितरण की व्यवस्था बनाने का आग्रह किया।

बिगड़ती कानून व्यवस्था पर मंच ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नागरिक मंच ने शहर में कानून व्यवस्था को लेकर गंभीरता दिखाने की मांग की है। कहा कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए बाहरी लोगों का सत्यापन होना अति आवश्यक है।

इस संबंध में सदस्यों ने अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर से मुलाकात की। साथ ही उन्हें समस्याओं को लेकर ज्ञापन भी दिया। कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में नगर में बाहरी व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिससे शांति व्यवस्था, सुरक्षा और अतिक्रमण की समस्या गंभीर होती जा रही है। मंच ने आरोप लगाया कि नगर में नशे का कारोबार खुलेआम हो रहा है और इसकी होम डिलीवरी तक की जा रही है। ज्ञापन में बाहरी व्यावसायियों, श्रमिकों और ठेकेदारों का अनिवार्य सत्यापन कर पहचानपत्र जारी करने, नशे के कारोबार पर पूर्ण रोक लगाने, साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने, अतिक्रमण हटाने तथा बिना नंबर और ओवर स्पीड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में मंच अध्यक्ष सीपी नैथानी, महासचिव अतुल भट्ट, हर्षवर्द्धन ध्यानी और आरपी पंत आदि रहे।

राशन कार्ड सत्यापन अभियान जारी, 7,799 अपात्र कार्ड निरस्त

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद में पूर्ति विभाग की ओर से राशन कार्डों का व्यापक सत्यापन अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत अपात्र, मृतक, स्थानांतरित व अन्य श्रेणियों के लाभार्थियों की पहचान कर अब तक 7,799 राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं। इनके साथ संबद्ध 31,268 यूनिट भी समाप्त कर दी गई हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि सभी तहसीलों में सत्यापन कार्य चल रहा है। अभियान के दौरान अंत्योदय अन्न योजना के 609 राशन कार्ड और 2,038 यूनिट, प्राथमिक परिवार श्रेणी के 3,997 राशन कार्ड और 18,110 यूनिट व राज्य खाद्य योजना के 3,193 राशन कार्ड और 11,120 यूनिट निरस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सत्यापन के बाद रिक्त हुए स्थानों पर पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। अब तक 3,347 नए पात्र परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जा चुका है। कोटद्वार क्षेत्र में सबसे अधिक कार्रवाई की गई है। यहां अंत्योदय अन्न योजना के 135 राशन कार्ड और 624 यूनिट, प्राथमिक परिवार श्रेणी के 1,516 राशन कार्ड और 7,740 यूनिट व राज्य खाद्य योजना के 1,652 राशन कार्ड और 6,440 यूनिट निरस्त किए गए हैं। इस प्रकार क्षेत्र में 3,303 राशन कार्ड और 14,804 यूनिट समाप्त की गई हैं।

प्रतिकूल मौसम के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं रखने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : चारधाम यात्रा के लिए मंडलायुक्त ने संबंधित जनपदों और विभागों को समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों और एडवाइजरी का पालन करने के साथ ही मौसम की चेतावनी को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित विभागों को मौसम प्रतिकूल होने या मार्ग प्रभावित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि चारधामों सहित हेमकुंड साहिब यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। इसकी निगरानी मुख्यालय से भी की जा रही है। कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था के साथ ही यात्रा रूट पर सात पंजीकरण केंद्र स्थापित हैं। पंजीकरण के माध्यम से यात्रियों की बेहतर निगरानी, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं के अनुरूप प्रबंधन किया जा रहा है। बताया कि यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर, पेयजल, शौचालय व ठहरने की समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं हैं।

टाइफाइड और वायरल बुखार के मरीजों की लगातार बढ़ रही संख्या

श्रीनगर गढ़वाल : उपजिला चिकित्सालय श्रीनगर में इन दिनों टाइफाइड और वायरल बुखार के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। अस्पताल की ओपीडी में टाइफाइड के आठ से नौ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। टाइफाइड के मरीजों की इस संख्या को डॉक्टरों ने चिंताजनक बताया है।

श्रीनगर नगर निगम क्षेत्र के अलावा चमोली, रुद्रप्रयाग, जोशीमठ, थराली और टिहरी से भी मरीज उपजिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। उपजिला चिकित्सालय के फिजीशियन डॉ. सौरभ समदर ने बताया कि रोजाना आने वाले 40 से 50 मरीजों में प्रतिदिन आठ से नौ मरीज टाइफाइड से पीड़ित पाए जा रहे हैं, जबकि अन्य मरीज वायरल फीवर और सामान्य बुखार से ग्रसित हैं। उन्होंने बताया कि ऊपरी क्षेत्रों में पानी के स्रोत प्रभावित होने और दूषित पानी के सेवन के कारण संक्रमण बढ़ने की आशंका बनी हुई है। डॉ. समदर ने बताया कि अस्पताल में ऐसे मरीज भी पहुंच रहे हैं जिन्हें पहले टाइफाइड हो चुका था, लेकिन सावधानी नहीं बरतने के कारण वे दोबारा इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि दवा का कोर्स पूरा करने के बाद भी स्वच्छ खानपान और साफ पानी के उपयोग पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि लगातार बुखार बना रहे, शरीर में कमजोरी महसूस हो, भूख कम लगे या लंबे समय तक खांसी बनी रहे तो इन लक्षणों को नजर अंदाज न करें और तुरंत चिकित्सकीय जांच कराएं। (एजेंसी)

पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़े दाम तो बिगड़ा रसोई का बजट

चावल, सरसों के तेल सहित सब्जी व फल के दामों में भी उछाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी और माल ढुलाई खर्च बढ़ने का असर अब सीधे आम जन की रसोई पर पड़ रहा है। बाजार में दाल, चावल, खाद्य तेज, मसाले के साथ ही सब्जी व फल के दामों में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। वहीं, रसोई सिलिंडर के दाम बढ़ने से भी लोगों की चिंता बढ़ने लगी है। पिछले दिनों के मुकाबले अब रसोई का खर्चा दोगुना हो गया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम भले ही कुछ दिन से स्थिर हैं। लेकिन, कुछ दिन पूर्व बढ़े एलपीजी सिलिंडर के दाम व लगातार बढ़ रहे अन्य खाद्य पदार्थों के दामों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। महंगाई का असर लोगों की जेब पर पड़ रहा है। हर दिन कुछ न कुछ महंगा होता जा रहा है। परिवहन खर्च बढ़ने के कारण रोजमर्रा के इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों और किराना सामान के दामों में लगातार बृद्धि हो रही है। सोयाबीन की बड़ी, सभी तरह के चावल, तेल और रिफाइंड के साथ अन्य

कोटद्वार बाजार में खरीददारी करने पहुंचे शहरवासी

पदार्थों में आठ से दस रुपये प्रति किलो बढ़ोत्तरी हुई है। अरहर की दाल पूर्व में 120 रुपये किलो थी लेकिन, वर्तमान में 140 तक पहुंच गई है। सरसो का तेल पूर्व में 150 रुपये था जो अब 175 पहुंच गया। चीनी 38 रुपये से बढ़कर 45 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। इसी तरह सब्जी व फल के भी प्रतिदिन बढ़े हुए दाम बाजार में आ रहे हैं। 10 दिन पूर्व 20 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर चालीस रुपये पहुंच गया। इसी तरह फलों के दामों में भी बढ़ोत्तरी हुई है। शहरवासी मोनिका देवी का कहना है कि तेल, रिफाइंड और अन्य खाद्य पदार्थों की महंगाई का सीधा असर रसोई पर पड़ रहा है। तेल महंगा होने से सामान्य परिवारों की भोजन थाली महंगी हो गई है। नौकरी पेशा वाले लोगों का भी खर्चा चलाना मुश्किल होता जा रहा है। बिनीता देवी ने बताया कि रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इससे घर का बजट बिगड़ने लगा है। पिछले एक माह के भीतर रसोई का खार्चा दोगुना हो गया है। अभी स्थिति सुधरती हुई भी नहीं दिखाई दे रही।

कोटद्वार से गोपेश्वर व ऋषिकेश एम्स के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए उत्तराखंड परिवहन निगम ने कोटद्वार से गोपेश्वर और ऋषिकेश के लिए नई बस सेवाओं का संचालन शुरू कर दिया है। नई सेवाओं के शुरू होने से आम यात्रियों के साथ-साथ छात्रों, कर्मचारियों, व्यापारियों, पर्यटकों एवं मरीजों को विशेष सुविधा मिलेगी।

मंगलवार को उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने हरी झंडी दिखाकर दोनों बस सेवाओं को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर एवं सुलभ परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कोटद्वार से ऋषिकेश स्थित एम्स तक सीधी बस सेवा की मांग लंबे समय से की जा रही थी, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई बस सेवा शुरू होने से एम्स ऋषिकेश आने-जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को काफी राहत मिलेगी। प्रदेश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल एम्स तक सीधी बस सुविधा उपलब्ध होने से क्षेत्रवासियों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। उन्होंने कहा कि कोटद्वार-गोपेश्वर बस सेवा शुरू होने से गढ़वाल मंडल के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क और अधिक मजबूत होगा। इससे रोजगार, शिक्षा, व्यापार और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड परिवहन निगम के अधिकारियों के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, महापौर शैलेन्द्र रावत, मंडल अध्यक्ष विकासदीप मित्तल, विजय नंद पोखरियाल, सतीश गौड़, प्रेमा खंतवाल, आशीष रावत, सुनीता देवी, आदित्य त्रिपाठी, राजेंद्र जेजेडी, प्रमोद केस्टवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकास के दावे धरातल पर नहीं उतरने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के दौरान और उसके बाद किए गए विकास संबंधी वादों के धरातल पर न उतरने से आमजन में रोष बढ़ने लगा है। क्षेत्रीय जन का कहना है कि चार वर्ष बीत जाने के बाद भी अपेक्षित स्तर पर काम धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। लोगों का कहना है कि जिन परियोजनाओं को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया गया था, उनमें अपेक्षित गति नहीं दिखी है।

सरकार के चार वर्ष पूर्ण हुए व राजनेता आगामी चुनावों की तैयारियों में जुट गए हैं। इन तैयारियों के बीच आमजन भी अपने विधायक के चार सालों के कार्यों का आंकलन करने लगे हैं। बात चौबट्टाखाल विस की करें तो स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव प्रचार के समय क्षेत्र में सड़क, पर्यटन, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर कई घोषणाएं की गई थीं। चुनाव जीतने के बाद भी विभिन्न जनसभाओं व कार्यक्रमों में क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही गई थी। इन घोषणाओं से लोगों को क्षेत्र में बड़े बदलाव की उम्मीद थी। लेकिन, अब तक कई योजनाओं की प्रगति स्पष्ट रूप से नजर नहीं आ रही है। ग्रामीणों ने विशेष रूप से पाटीसैंण क्षेत्र के निकट नयार घाटी क्षेत्र में प्रस्तावित विकास कार्यों व अन्य सार्वजनिक घोषणाओं का भी उल्लेख किया। क्षेत्र के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते विकास कार्यों को गति नहीं दी गई तो लोगों का भरोसा प्रभावित हो सकता है। उनका कहना है कि क्षेत्र में पलायन, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं की समस्याएं पहले से बनी हुई हैं और इन पर ठोस कार्य की आवश्यकता है। उधर, कई लोगों ने यह भी कहा कि सरकार और जनप्रतिनिधियों को अब आगामी समय में घोषणाओं के बजाय कार्यों की प्रगति जनता के सामने रखनी चाहिए, ताकि विकास को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके। हालांकि, इस संबंध में जनप्रतिनिधियों का पक्ष सामने आने पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

बिलखेत में गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर के निकटवर्ती गांव बिलखेत में गुलदार दिखाई देने से गांव में दहशत फैल गई। कुछ दिन पूर्व नजर आए गुलदार की किसी ग्रामीण ने वीडियो बनाकर वायरल कर दी। गुलदार दिखाई देने से बिलखेत समेत निकटवर्ती क्षेत्रों में दहशत है। ग्रामीणों का कहना है कि रविवार शाम करीब चार बजे के आसपास गांव के निकट ही मैदान में गुलदार दिखाई दिया जिससे ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। ग्रामीण मनोज नैथानी, केशवानंद आर्य, गणेश कुमार, भास्कर नैथानी आदि ने पौड़ी वन प्रभाग के उच्चाधिकारियों से क्षेत्र में वनकर्मियों की गश्त लगाने की मांग की।

सेवा सप्ताह के प्रथम दिन 60 बच्चों को वितरित किए छाते

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को छाता देते समिति के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रोटरी क्लब कोटद्वार के तत्वावधान में स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सेवा सप्ताह के प्रथम दिन हिमालय एकेडमी, गाड़ीघाट में 60 विद्यार्थियों को छाते वितरित किए गए।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन एवं पार्षद विपिन डोबरियाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने कहा कि रोटरी क्लब बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी अन्य आवश्यकताओं का भी ध्यान रखता है। बरसात के मौसम में विद्यार्थियों को बारिश से बचाने के उद्देश्य से छाते वितरित किए गए हैं। पार्षद विपिन डोबरियाल ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था निरंतर समाजहित में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। कार्यक्रम में अनिल कुमार भोला, विजय कुमार माहेश्वरी तथा विद्यालय के संस्थापक दीपक डोबरियाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान कुल 60 बच्चों को छाते वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन रोटरी क्लब के सचिव विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष ऋषि ऐरन, सचिव विजय कुमार, उपाध्यक्ष डी.पी. सिंह, विजय कुमार माहेश्वरी, अनिल भोला, कुलदीप अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, दीपक डोबरियाल सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

देवल गांव की घटना पर मानवता मंच ने जताया रोष, सख्त कार्रवाई की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मानवता मंच ने जनपद टिहरी के देवल गांव में युवक की हत्या की घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने समाज में जातिगत भेदभाव और नफरत के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मंगलवार को संगठन के कार्यकर्ता दीपमोहन के नेतृत्व में तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में कहा गया कि देवल गांव में हुई नाबालिग युवक की हत्या की घटना बेहद दु:खद और चिंताजनक है तथा इससे समाज में गलत संदेश जाता है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि घटना के पीछे सामाजिक या जातिगत भेदभाव की भूमिका रही है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कानून का सख्ती से पालन होना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मानवता मंच ने कहा कि समाज में समानता, भाईचारे और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जाति, धर्म और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी नागरिकों को समान अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में दीपमोहन, मनोज, कमला धस्माना, दिनेश और राजू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-02-TRD-MB-26-27
कार्य का नाम	मुरादाबाद डिवीजन में TUV>20000 वाले समपार फाटक गेट्स की इंटरलॉकिंग से संबंधित टी०आर०डी० का कार्य।
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	07.07.2026, 15:00 Hrs
कार्य की अनुमानित लागत (रू)	Rs 1,69,25,435.10/- (जीएसटी @18% सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि (रू)	Rs. 3,38,500/-
निविदा प्रपत्र मूल्य (रू)	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	09 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.

निविदा सूचना स.: Elect/TRD/MB/2026-27/TN-02 दिनांक: 16.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2062/26

उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भाजपा ने निकाली प्रगति पथ यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देश के यशस्वी एवं लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा ह्यप्रगति पथ यात्राह्व का आयोजन किया गया। यात्रा का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकासात्मक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना था। प्रगति पथ यात्रा निर्माणाधीन बस अड्डे एवं रेलवे स्टेशन से प्रारम्भ होकर तहसील परिसर स्थित पासपोर्ट कार्यालय से होते हुए राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कोटद्वार में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस छात्रावास के नवनिर्मित भवन में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, स्टार्टअप इंडिया, उज्ज्वला योजना, मेक इन इंडिया, खेलो इंडिया, मुद्रा योजना, पीएम जनमन, अटल आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा गरीब कल्याण जैसी अनेक जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर देश में ढांचागत एवं सामाजिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का परिणाम है कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। यह प्रगति पथ यात्रा विकास, सुशासन एवं जनसेवा के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तराखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के आम जनमानस की आवश्यकताओं और समस्याओं को समझते हुए अनेक कल्याणकारी योजनाएं प्रारम्भ की हैं, जिनका लाभ आज करोड़ों देशवासी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में केंद्र सरकार द्वारा ऑल वेदर रोड परियोजना, श्री केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम पुनर्विकास महायोजना तथा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया गया है।

महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। रक्षा, आधारभूत संरचना, खेल, शिक्षा, कौशल विकास तथा युवाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में मोदी सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे भारत की वैश्विक पहचान और अधिक मजबूत हुई है। इस अवसर पर सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक उमेश त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष विजयानंद पोखरियाल, मोहन सिंह नेगी, श्रीमती बीना रावत, जिला महामंत्री सुरेन्द्र आर्य, नगर अध्यक्ष विकास दीप मित्तल, परिषद एवं खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक सौरव नौडियाल, पार्षद श्रीमती नीरू बाला खंतवाल, शशिकांत जोशी, सुखरो मण्डल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, भाबर मण्डल अध्यक्ष आशीष रावत, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी, जिला मंत्री श्रीमती मंजू देवी, जिला कोषाध्यक्ष अनीत चावला सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

सार्वजनिक सूचना

उत्तराखण्ड के सम्मानित वासियों को विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार के सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति सम्बन्धित उपाय विनियम, 2010 एवं संशोधित विनियम, 2015 में उल्लेखित विनियमों में प्राविधानित पूर्व निर्मित विद्युत लाईनों के समीप प्रस्तावित निर्माण अथवा अन्य कार्यो हेतु निर्धारित मानक से आपको निम्नानुसार अवगत कराना है–

1. पूर्व निर्मित लाइनों के नीचे भवन या अन्य कोई भी निर्माण कार्य करना निषिद्ध है।
2. विद्युत विनियम में पूर्व निर्मित लाईनों की जमीन ऊचाई, इमारत से लम्बवत व सामान्तर दूरी हेतु निम्नवत् मानक निर्धारित है–

भवन के निकटतम् बिन्दु से क्षितिज के सामान्तर दूरी		
1.	एल०टी० लाईन व एच०टी० लाईन 11 के0वी0 तक	1.20 मी०
2.	33 के०वी० लाईन	2 मी०
भवन के निकटतम बिन्दु से लम्बवत दूरी		
1.	एल०टी० लाईन व एच०टी० लाईन 11 के0वी0 तक	2.50 मी०
2.	33 के०वी० लाईन	3.70 मी०
ओवरहेड लाईनों के सबसे निचले सुचालक की जमीन से न्यूनतम ऊंचाई		
(क) सड़क के आर पार		
1.	एल०टी० लाईन	5.8 मी०
2.	11 के0वी0 व 33 के०वी० लाईन एच०टी० लाईन	6.1 मी0
(ख) सड़क किनारे /सड़क के साथ–साथ		
1.	एल०टी० लाईन	5.5 मी०
2.	11 के0वी0 व 33 के०वी० एच०टी० लाईन	5.8 मी०
(ग) सड़क के अतिरिक्ति		
1.	एल०टी० एवं 11 के०वी० लाईन (जो इंसुलेटेड नही है)	4.6 मी०
2.	एल०टी० एवं 11 के०वी० लाईन (जो इंसुलेटेड नहीं है)	4.0 मी०
3.	33 के०वी० लाईन	5.2 मी०

आप से अनुरोध है कि विद्युत सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भवन निर्माण, भूमि भराव अथवा अन्य निर्माण कार्यों को करने से पूर्व उपरोक्त मानकों का संज्ञान लेने की कृपा करें, जिससे कि उक्त मानकों का उल्लघंन न हो। साथ ही विद्युत लाईनों के समीप भवन या अन्य किसी निर्माण कार्य (नये/विस्तारिकरण/भूमि भराव) करने से पूर्व उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि० के सम्बन्धित खण्ड कार्यालय का उक्त कार्य के रेखचित्र के साथ सूचित करते हुए अनापति प्राप्त करने का कष्ट करें।

पत्रांक : 360/वि0वि0ख0(नै)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 16.06.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

संपादकीय

स्कूली छात्रों से गुलजार रैलियां

सत्ता पक्ष के नेताओं की राजनीतिक रैली जनता का मन टटोलने का एक साधन है और इसके लिए कार्यकर्ता पूरी कोशिश करते हैं कि अधिक से अधिक संख्या में जनता अपने नेता को सुनने पहुंचे। इसके लिए तमाम हथकंडे अपने आय जाते हैं जिसमें पैसे देकर या फिर दूसरे प्रलोभन से भीड़ को बुलाया जाता है। यहां तक तो ठीक है लेकिन रैलियों में स्कूली बच्चों को ड्रेस पहन कर बुलाना यह आखिर कितना उचित है? छोटे–छोटे बच्चे घंटों तक उस रैली का हिस्सा बनाए जाते हैं जिससे उनका दूर–दूर तक कोई लेना–देना ही नहीं है और ना ही रैली में कही जाने वाली बातें उनकी समझ में आती हैं। बावजूद इसके सरकारी स्कूलों पर दबाव डालकर बच्चों की भीड़ को बुलाया जाता है ताकि भीड़ दिखाई जा सके। यह निश्चित तौर पर बच्चों के अधिकारों का हनन है और इस पर बाल आयोग को संज्ञान लेना चाहिए। राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का पूरा अधिकार है, लेकिन जब राजनीतिक रैलियों और कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों का उपयोग भीड़ बढ़ाने या राजनीतिक संदेशों के प्रचार के लिए किया जाता है, तो यह चिंता का विषय बन जाता है। यदि बच्चों को जबरन राजनीतिक कार्यक्रमों में ले जाया जाता है, तो इससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती है। बच्चों को यह भी समझ नहीं होता कि वे किस उद्देश्य से किसी कार्यक्रम में शामिल किए जा रहे हैं। ऐसे में उनकी उपस्थिति केवल संख्या बढ़ाने का माध्यम बनकर रह जाती है। सिर्फ कुछ खास नेताओं को खुश करने के लिए शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक प्रभाव से दूर रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की आवश्यकता है। बच्चों को उनकी कुशलता या कोई प्रति बा प्रदर्शित करने के लिए तो कार्यक्रमों में आमंत्रितकिया जा सकता लेकिन राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए बच्चों को रैलियों में शामिल करना उचित नहीं है। चिंता की बात तो यह है कि सरकार चलाने वाले खुद बच्चों की दशा पर नहीं पसीजते। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यालयों और विद्यार्थियों का उपयोग किसी भी राजनीतिक दल के प्रचार–प्रसार के लिए न हो। लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों से होती है, न कि बच्चों की जबरन थोपी गई संख्या से। ध्यान रखना होगा कि राजनीतिक गतिविधियों और शिक्षा के बीच स्पष्ट दूरी बनाए रखना बहुत आवश्यक है, ताकि बच्चों का बचपन, शिक्षा और भविष्य सुरक्षित रह सके।

राम नाम जपना, पराया माल अपना: अयोध्या में चोरी

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना जरूरी हो गया है।

यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं।

जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं।अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे

और जेल जाएंगे। लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

महाराणा प्रताप जयंती - वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

कांतिलाल मांडोत

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने।

महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है।

महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी।

हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता।

महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का राजतिलक उदयपुर के निकट गोगुंदा में हुआ था। यह स्थान आज भी राजतिलक स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इतिहास और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

हल्दीघाटी के समीप स्थित यह क्षेत्र आज भी महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को जीवंत बनाए हुए है। उदयपुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित राजतिलक स्थली पर हर वर्ष कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वीर रस की प्रस्तुतियां और ऐतिहासिक संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के आदर्शों से परिचित कराना और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत बनाना है।

वर्ष 2026 में भी महाराणा प्रताप जयंती को लेकर देशभर में अनेक आयोजन प्रस्तावित हैं। उदयपुर में सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें भव्य शोभायात्रा, अश्व पूजन, महाआरती, वीर शहीदों का स्मरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। मोतीमगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम होंगे। वहीं विभिन्न राज्यों और शहरों में भी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, संगोष्ठियां और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्थापित उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों का स्मरण किया जाएगा। यह दशार्ता है कि महाराणा प्रताप केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रेरणा हैं।

महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम हो तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने दिखाया कि सच्ची विजय केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहने में होती है। उनका संघर्ष, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

आज जब हम महाराणा प्रताप जयंती मनाते हैं, तब यह केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी अवसर है। वीरता, स्वाभिमान, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के प्रति समर्पण जैसे गुण ही महाराणा प्रताप की वास्तविक विरासत हैं। आने वाली पीढ़ियों तक इस विरासत को पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के उस उज्ज्वल नक्षत्र हैं जिनकी आभा कभी मंद नहीं पड़ सकती। उनका जीवन संघर्षों के बीच भी अडिग रहने, अपने सिद्धांतों के लिए जीने और राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि वे आज भी जन-जन के हृदय में अमर हैं और सदैव रहेंगे।

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है।

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं।

इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे।

देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी ₹प्राइम मिनिस्टर₹ या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए ह्यऑफिस ऑफ मिनिस्टरह्ल यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने ह्यनियति से साक्षात्कारह्ल वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था।

मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है।

रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई-पाकिस्तानी बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने परिवार की कार को लुटेरों का वाहन समझकर उस पर गोलियां बरसा दीं। घटना में बच्ची के पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना 10 जून को चकवाल जिले में हुई। पुलिस के अनुसार, अदील अहमद अपनी पत्नी, 9 वर्षीय बेटी हानिया और 10 वर्षीय बेटे आफान के साथ कार से रिश्तेदार के घर जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद अदील ने पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल किया। सूचना मिलने पर क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उसने परिवार की कार को ही संदिग्ध मान लिया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों से छलनी हुई कार में बैठी हानिया की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। मां सुरक्षित हैं। पुलिस ने मामले में फायरिंग करने वाले एक सीसीडी अधिकारी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लंदन में 26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या; 7 लोगों को हिरासत में लिया गया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके से 20 से 30 साल की उम्र के 7 लोगों को हत्या के शक में हिरासत में लिया था। जांच के बाद 6 लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया गया है। उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर करीब रात 12 :30 बजे हमला हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद अब वह खतरे से बाहत है। पुलिस ने बताया कि गुरभेज सिंह के परिवार को सहायता दी जा रही है और हमले की पूरी वजह जानने के लिए जांच जारी है।

रेयर अर्थ की तलाश में ग्रीनलैंड पहुंचेगा जापान का दल

टोक्यो, एजेंसी। जापान इस गर्मी में ग्रीनलैंड में रेयर अर्थ खनिजों के संभावित खनन का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की तैयारी कर रहा है। निक्केई की रिपोर्ट के मुताबिक, दल में सरकारी अधिकारी, ट्रेडिंग कंपनियों के प्रतिनिधि और ऊर्जा-सुरक्षा एजेंसी के सदस्य शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह दल ग्रीनलैंड के स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक कर खनन संभावनाओं का आकलन करेगा। ग्रीनलैंड लंबे समय से अपने संभावित रेयर अर्थ भंडारों के कारण वैश्विक शक्तियों की रुचि का केंद्र रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन ऊर्जा उपकरणों, सेमीकंडक्टर और रक्षा क्षेत्र में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत के चलते दुनिया भर में इनके नए स्रोत तलाशे जा रहे हैं। ग्रीनलैंड की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और संभावित खनिज संपदा इसे वैश्विक शक्तियों के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

ट्रम्प के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट : अब तक का सबसे महंगा मुकाबला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में यूएफसी मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च किए हैं। इस वजह से ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है। इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले होने हैं। अब तक 5 मुकाबले हो चुके हैं। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन इलिया टोपुरिया और अंतरिम चैंपियन जस्टिन गैथजे के बीच होनी है। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद हैं। पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। इस इवेंट में करीब 4300 लोग मौजूद हैं। दूसरी तरफ, 85 हजार लोगों के लिए अलग फैन जोन बनाया गया है। अमेरिका के कई अधिकारियों और खुद ट्रम्प ने आयोजन की तारीफ की है। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने स्नष्ट को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया।इस इवेंट में कुल 14 फाइटर हिस्सा लेंगे।

उड़ान भरते ही क्रैश हुआ स्काईडाइविंग विमान

अमेरिका के मिसौरी में बड़ा हादसा, पायलट समेत 12 की मौत

मिसौरी , एजेंसी। अमेरिका के मिसौरी राज्य से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार की सुबह एक स्काईडाइविंग विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार पायलट और 11 स्काईडाइवर्स सहित कुल 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है।

राहत और बचाव कार्य

विमान के क्रैश होने की सूचना मिलते ही मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल और बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव दल ने मलबे से शवों को निकालने का काम शुरू किया, लेकिन विमान की टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बचाने का अवसर नहीं मिला। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से इस घटना की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि हादसे में 12 लोगों की जान गई है।

कैसे हुआ हादसा ?

यह दुखद घटना मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट पर हुई। स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह लगभग 11:34 बजे, एक पैसिफिक एयरोस्पेस पी 750 विमान ने रनवे से उड़ान भरी थी। लोगों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, टेक-ऑफ के तुरंत बाद ही विमान में कुछ तकनीकी खराबी नजर आने लगी और वह हवाई अड्डे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह स्थान कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित बटलर शहर के पास है।

आखिर कैसे हुआ हादसा

विमान का संचालन स्काइडाइव कैनसस सिटी नामक कंपनी कर रही थी। बेट्स काउंटी आपदा प्रबंधन एजेंसी के निदेशक और कार्यवाहक हवाईअड्डा प्रबंधक डेनिस जैकब्स ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के तुरंत बाद बाईं ओर मोड़ लिया था। उनके मुताबिक ऐसा प्रतीत होता है कि विमान की शक्ति अचानक कम हो गई थी और पायलट उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश कर रहा था। हालांकि विमान नियंत्रण खो बैठा, नीचे की ओर तेजी से गिरा और जमीन से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। जैकब्स ने यह भी कहा कि हादसे के बाद उड़ान मार्ग के नीचे पूरे क्षेत्र की तलाशी ली गई, लेकिन ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि किसी यात्री ने दुर्घटना से पहले विमान से छलांग लगाई हो।

दुर्घटनाग्रस्त विमान पैसिफिक एयरोस्पेस 750 एक्सएल मॉडल का सिंगल-इंजन टर्बोप्रॉप विमान था, जिसका उपयोग स्काइडाइविंग के अलावा माल ढुलाई, हवाई सर्वेक्षण और मेडिकल इवैक्यूएशन जैसी सेवाओं में भी किया जाता है।

यह विमान अधिकतम 17 स्काइडाइवरों को ले जाने में सक्षम माना जाता है और छोटी रनवे से भी उड़ान भर सकता है। संघीय विमानन प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार यह विमान वर्ष 2010 में निर्मित किया गया था। हादसे की जांच के लिए अमेरिका का राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और एफएए की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

मृतकों की पहचान और आधिकारिक पुष्टि

बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट के प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया आउटलेट एफओएक्स4 से बात करते हुए पीड़ितों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में कुल 12 लोग सवार थे। इनमें से 11 लोग स्काईडाइविंग के शौकीन थे, जो अपने साप्ताहिक साहसिक खेल के लिए एकत्रित हुए थे, जबकि एक विमान का मुख्य पायलट था। दुर्घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे एक बड़ी मानवीय क्षति माना जा रहा है।

जांच के घेरे में तकनीकी कारण

अमेरिकी विमानन नियामक संघीय उड्डयन प्रशासन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। एफएए की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने जैसे ही प्रस्थान किया, वह कुछ ही दूरी पर क्रैश हो गया। अब एनटीएसबी ने जांच की पूरी कमान संभाल ली है। विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या विमान में कोई यांत्रिक खराबी थी या यह मानवीय त्रुटि का परिणाम था। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा।

अमेरिका ने जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले कथित तौर पर लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम-से-कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी।

हमले के सप्ताहभर बाद एपी ने अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिकी सूत्रों के हवाले से बताया है कि पलाऊ के झंडे वाले इस शेडो फ्लीट टैंकर पर मिसाइल दागने से पहले अमेरिकी सेना ने 60 से ज्यादा मौखिक चेतावनियां दी थीं। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी सेना पिछले दो हफ्तों से लगातार इस संदिग्ध जहाज को चेतावनी भेज रही थी। जहाज का पता चलते ही 9 जून की रात को अमेरिकी सैन्य विमानों ने इसे निशाने पर लिया।

अमेरिका का कहना है कि यह जहाज ईरान के शेडो फ्लीट का हिस्सा था, जो प्रतिबंधों को चकमा देकर अवैध रूप से ईरानी कच्चे तेल की तस्करी कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत में जहाज को रोकने के लिए वार्निंग दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विमानों ने पहले कुछ वार्निंग फायरिंग की। फिर हमला करने से ठीक 15 मिनट पहले क्रू को इंजन रूम खाली करने की चेतावनी दी। जब जहाज फिर भी नहीं रुका, तब अमेरिकी विमान से सीधे जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाया। सेंटकॉमने यह भी कहा है कि नाकेबंदी लागू हुए 60 से ज्यादा दिन हो गए थे और यह बात होनी चाहिए थी कि अमेरिका इसे सख्ती से लागू कर रहा है।

बेरूत पर इजरायली हमले से भड़के ट्रंप, कहा- सब कुछ बर्बाद मत करो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह लेबनान की राजधानी बेरूत पर हुए इजरायली हवाई हमले पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इस हमले को बेहद गैर-जरूरी बताया और चेतावनी दी कि यह कार्रवाई ईरान के साथ होने वाले ऐतिहासिक शांति समझौते में बाधा बन सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में कहा, 'आज सुबह बेरूत पर हुआ हमला बिल्कुल नहीं होना चाहिए था, विशेष रूप से एक ऐसे खास दिन पर जब हम ईरान के साथ शांति समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं।' उन्होंने इजरायल के रक्षा के अधिकार का समर्थन तो किया, लेकिन साथ ही हमले के समय और कारण पर सवाल भी उठाए।

इजरायल द्वारा दी गई प्रतिक्रिया पर टिप्पणी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'इजरायल को खतरों के खिलाफ अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जिस हमले (हिजबुल्लाह द्वारा) का वह जवाब दे रहा था, वह बहुत छोटा और महत्वहीन था। उसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ था, न ही कोई घायल हुआ या मारा गया था। ऐसे में इस हमले के कारण इतनी महत्वपूर्ण शांति प्रक्रिया में व्यवधान नहीं आना चाहिए था।'

ट्रंप ने क्षेत्र में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत करते हुए लिखा, 'हम एक ऐसे समझौते के बेहद नजदीक हैं जो पूरे क्षेत्र में शांति लाएगा, जिसमें लेबनान भी शामिल है। इसलिए अब सभी पक्षों को तुरंत पीछे हट जाना चाहिए। इजरायल द्वारा लेबनान में कहीं भी और कोई हमला नहीं किया जाना चाहिए, और साथ ही हिजबुल्लाह सहित किसी भी अन्य पक्ष द्वारा इजरायल के खिलाफ कोई जवाबी हमला नहीं होना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर

धार्मिक स्थल में लगी आगबमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने, पांच की मौत

कीव , एजेंसी। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव-पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था। यूक्रेनी प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना बताया है। वहीं राजधानी कीव में भी बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन के जरिए कई हमले किए गए, जिसके बाद लोगों को भूमिगत शरणस्थलों में जाना पड़ा।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने दावा किया कि रूस ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में 30 मिनट के भीतर पांच हमले हुए, जिनमें एक 25 मंजिला अपार्टमेंट भवन को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा एक बाजार और किराना स्टोर में भी आग लग गई। ओबोलोंस्की जिले में नौ मंजिला आवासीय इमारत सीधे हमले की चपेट में आई। अधिकारियों के अनुसार, हमलों में एक बच्चे समेत 13 लोगों को चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ी। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना था।

रूसी हमले में कीव-पेचेर्स्क लावरा परिसर को भी भारी नुकसान पहुंचा। यह यूक्रेन के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक स्थलों में से एक है। हमले के दौरान डॉर्मिशन कैथेड्रल की छत में आग लग गई। यूक्रेन के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता, इतिहास और ईसाई धर्म के खिलाफ अपराध बताया। 11वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित यह परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही ने ली जान

बिना रस्सी बांधे युवती को पुल से नीचे फेंका

साओ पाउलो , एजेंसी। ब्राजील में 21 साल की एक युवती के लिए एडवेंडचर के शौक ने उसकी जान ले ली। ब्राजील के साओ पाउलो में जो हुआ, उसे देख वहां मौजूद लोग सहम उठे। एक एडवेंचर कंपनी की रूह कंपा देने वाली लापरवाही की वजह से एक लड़की ने बिना बंजी कॉर्ड बंधे ही 35 मीटर की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बता दें कि यह हादसा साओ पाउलो राज्य के लिमेइरा और कोर्डेइरोपोलिस शहरों को जोड़ने वाले ब्रिज 'पोंटे डो एस्केलेटो' पर हुआ है। ये पुल पिछले लगभग तीन दशकों से बंद पड़ा हुआ है। हाल के दिनों में यह बंद पुल एडवेंचर के शौकीनों और पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा जगह बन गया था। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस जगह पर सरकार या किसी आधिकारिक संस्था की कोई निगरानी या फिर सुरक्षा रेगुलेशन नहीं लागू था।

वीडियो बनाने के चक्कर में मौत

स्थानीय मीडिया की मानें तो मृतका मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रीटास ने इस खतरनाक बंजी जंपिंग के लिए और सलाथ ही इस एडवेंचर का वीडियो शूट कराने के लिए 'एंट्रे कोर्डास' नाम की एक निजी कंपनी को लगभग 290 डॉलर, जो भारतीय रुपये में लगभग 24,500 है, दिया था।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही से जिस वीडियो को लड़की अपनी यादों में समेटना चाहती थी, वही उसकी जिंदगी का आखिरी वीडियो साबित हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि युवती से पहले तीन और लोगों ने वहां से बंजी जंपिंग की थी, जो सुरक्षित रहे।

इसके बाद जब इस लड़की की बारी आई, तो वहां मौजूद क्रू मेंबर्स की लापरवाही ने सुरक्षा नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि ये घोर लापरवाही का मामला है। क्रू मेंबर्स ने लड़की को धक्का देने या फिर कूदने का इशारा करने से पहले सुरक्षा जांच तक नहीं की।

हादसे के दौरान पुल पर मौजूद अन्य पर्यटकों ने जब इस पूरी घटना को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया, तो वहां का नजारारूह कंपा देना वाला था। जैसे ही युवती ने पुल से छलांग लगाई, वहां खड़े लोगों को तुरंत नजर आ गया कि उसके पैर या शरीर से कोई भी रस्सी जुड़ी हुई ही नहीं है।

हवा में टकराए दो हेलिकॉप्टर और बन गए आग का गोला, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के पश्चिमी रियो डी जनेरियो में रविवार को दो हेलीकॉप्टरों की हवा में टकराकर गिर गए। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। टकराकरक गिरने के बाद दोनों हेलिकॉप्टर में भीषण आग लग गई और जमीन पर खड़ी कई गाड़ियां भी जल गईं। ये हादसा शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित घनी आबादी वाले उपनगर रेक्रेयो डॉस बांदेइरांतेस में हुई। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए और फिर जमीन पर गिर पड़े, जिससे भीषण आग लग गई।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, रविवार सुबह रियो डी जनेरियो के आसमान में दो हेलिकॉप्टरों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर शहर के पश्चिमी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। फायरफाइटर्स के अनुसार, हादसे में हेलिकॉप्टरों में सवार सभी छह लोगों की जान चली गई।

रियो डी जनेरियो के मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टरों में से एक एक कार डीलरशिप पर गिरा, जहां कई इलेक्ट्रिक वाहन खड़े थे। हेलिकॉप्टर के गिरने से वहां आग भड़क उठी, जिसे बाद में दमकलकर्मियों ने काबू कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

100 मीटर तक फैला मलबा

टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलिकॉप्टरों के मलबे के हिस्से दूर-दूर तक जा गिरे। धड़ के टुकड़े लगभग 100 मीटर के दायरे में बिखर गए। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा पास स्थित एक इमारत की छत पर मिला। दोनों हेलिकॉप्टर प्रभावित कैंपस के भीतर अलग-अलग स्थानों पर दुर्घटनाग्रस्त हुए।इस बड़े हादसे से निपटने के लिए करीब 45 सैन्यकर्मियों और 15 सहायता वाहनों को मौके पर भेजा गया। राहत एवं सुरक्षा कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए दुर्घटनास्थल के पास एवेनिडा दास अमेरिका की सर्विस लेन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

अमेरिका-ईरान समझौते के 14 सूत्र आए सामने, स्थायी युद्धविराम

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच घोषित हुए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने इस गुप्त समझौते के सभी 14 मुख्य बिंदुओं (शर्तों) की जानकारी होने का दावा किया है। हालांकि, इस पर दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) की सरकारों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान जारी नहीं किया गया है। ईरान की अर्द्ध सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर न्यूज़' के मुताबिक, इस प्रस्तावित समझौते में मध्य पूर्व में शांति बहाली से लेकर आर्थिक पुनर्निर्माण तक के कई कड़े बिंदु शामिल हैं।

ईरानी मीडिया द्वारा लीक किए गए ड्राफ्ट के अनुसार, समझौते के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं: स्थायी युद्धविरामः लेबनान समेत क्षेत्र के सभी सक्रिय मोर्चों पर पूर्ण और स्थायी युद्धविराम लागू किया जाएगा। आंतरिक मामलों में दखल नहीं: अमेरिका ने प्रतिबद्धता जताई है कि वह ईरान के अंदरूनी मामलों और संप्रभुता में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

सैन्य नाकेबंदी की समाप्ति: अमेरिका अगले 30 दिनों के भीतर ईरान पर लगाई गई अपनी सभी नौसैनिक नाकेबंदियों को पूरी तरह हटा लेगा।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी: ईरानी क्षेत्र और उसके प्रभाव वाले इलाकों से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

होर्मुज स्ट्रेट को खोलना: व्यापारिक दृष्टि से वैश्विक रीढ़ माने जाने वाले 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को 'ईरानी व्यवस्था' के तहत 30 दिनों के भीतर दोबारा यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण फंड: अमेरिका और उसके सहयोगी देश युद्ध और तनाव से प्रभावित हुए ईरान के पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर (लगभग 25 लाख करोड़ रुपए) की आर्थिक योजनाएं शुरू करेंगे।

ऊर्जा प्रतिबंधों का खात्मा: ईरानी कच्चे तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों के वैश्विक व्यापार पर लगे सभी कड़े प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा।

परमाणु हथियारों पर रोक: ईरान वैश्विक मंच पर परमाणु हथियार न बनाने की अपनी पुरानी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराएगा।

सैन्य उपस्थिति पर रोक: अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी मौजूदा सैन्य उपस्थिति को और अधिक नहीं बढ़ाएगा।

नए प्रतिबंधों पर रोक : भविष्य में ईरान के खिलाफ अमेरिका या उसके सहयोगियों द्वारा कोई भी नया आर्थिक या सैन्य प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद अगले 60 दिनों के भीतर दोनों पक्ष अंतिम व्यापक समझौते पर बातचीत करेंगे। मसौदे के तहत ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाया गया अपना सैन्य अवरोध तत्काल हटाएगा और सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग फिर से खोल देगा। इसके बदले अमेरिका भी ईरानी बंदरगाहों पर लागू अपनी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करेगा। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ईरान की 24 अरब डॉलर की जब्त की हुई संपत्ति किस्तों में जारी करने पर सहमत हुआ है। इसमें प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण, क्षेत्रीय देशों के सहयोग और वित्तीय क्रेडिट लाइन जैसे विकल्प शामिल होंगे।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

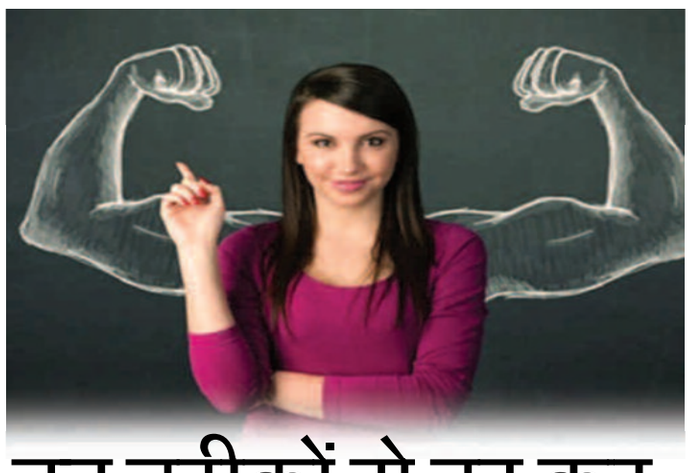

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

जन सुविधाओं से सुसज्जित होगा नया तहसील भवन

डीएम ने किया निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : नंदप्रयाग में निर्माणाधीन तहसील भवन एवं आवासीय परिसर के कार्यों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार ने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने पर विशेष बल दिया।

लगभग 265.34 लाख रुपये की लागत से ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा निर्माणाधीन जी+1 (भूतल एवं प्रथम तल) तहसील भवन का के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने उनकी उपयोगिता एवं कार्यात्मक आवश्यकताओं की समीक्षा की। उन्होंने भूतल पर प्रस्तावित नायब तहसीलदार कक्ष, तहसीलदार कक्ष, कोर्ट रूम, खतौनी कक्ष, आर.के रूम, रिकॉर्ड रूम तथा लॉकर रूम का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार एवं व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। वहीं प्रथम तल पर स्थित प्रशासनिक कक्ष, उपजिलाधिकारी कक्ष, पेशकर कक्ष, उपजिलाधिकारी न्यायालय एवं मीटिंग हॉल का भी अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि तहसील भवन में आने वाले आम नागरिकों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आगंतुकों के लिए स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय व्यवस्था, बैठने की समुचित सुविधा तथा नागरिक-अनुकूल वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने भवन को दिव्यांगजन अनुकूल बनाने पर विशेष जोर देते हुए रैंप, सुगम पहुंच एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं को मानकों के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण स्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी सुरक्षा मानकों एवं श्रम सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने को कहा और स्पष्ट किया कि निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन तहसील आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया। लगभग 236.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित किए जा रहे आवासीय भवनों में चार टाइप-1, चार टाइप-2, एक टाइप-3 तथा एक टाइप-4 आवासीय क्वार्टर शामिल हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए कार्यदायी संस्था को निर्माण गति बढ़ाने के निर्देश दिए तथा सभी आवासीय इकाइयों का कार्य जनवरी माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडे, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग आल्हा दिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्णप्रयाग में राष्ट्रीय राजमार्ग-07 पर यातायात पूर्णतः सुचारु

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : कर्णप्रयाग में राष्ट्रीय राजमार्ग-07 पर यातायात पूरी तरह से सुचारु है। कर्णप्रयाग स्थित पंच पुलिया क्षेत्र में यात्रियों के एक समूह और स्थानीय लोगों के बीच हुए विवाद के बाद मार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया था। जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से वार्ता कर मार्ग सुचारु कराया।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने आश्वासन दिया कि घटना में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की अराजकता या कानून-व्यवस्था भंग करने के प्रयास को बर्दाश्त नही किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं

श्रीनगर गढ़वाल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की ओर से विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं बैठकों का आयोजन किया गया। इस दौरान सांसद अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ संवाद कर संगठन को अधिक सशक्त, सक्रिय और गतिशील बनाने पर मंथन किया। भाजपा कार्यालय में आयोजित शक्ति केंद्र बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम से पूर्व अक्षितेश नैथानी एवं प्रदीप राणा ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष गिरीश पैन्यूली, मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल, दिनेश पटवाल, प्रकाश सती, सूर्य प्रकाश, आशा उपाध्याय, प्रमिला भंडारी और ललित नेगी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं अदिति वेडिंग प्वाइंट में आयोजित जिला कोर कमेटी की बैठक में सांसद अनिल बलूनी, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और जिला अध्यक्ष कमल किशोर रावत ने संगठन की आगामी कार्ययोजना एवं विस्तार पर चर्चा की।

एक नजर

अनसूया मंदिर को सड़क से जोड़ने की मांग

चमोली। संतानदायिनी माता अनसूया के मंदिर को सड़क से जोड़ने की मांग जोर पकड़ने लगी है। लोगों ने कहा कि सड़क न होने से लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए चार किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। प्रसव पीड़ा के दौरान महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने जिलाधिकारी से भेंट कर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की मांग उठाई। अनसूया मंदिर पुजारी पंचायत के अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद सेमवाल और मंदिर के पुरोहित जय प्रकाश तिवारी ने कहा कि सड़क निर्माण में अनावश्यक विलंब होने से क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मंदिर में दर्शनों के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं को पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है। अनसूया गेट (मंडल) से संगूड़ पैदल पुल तक लगभग 2.30 किलोमीटर लंबा मार्ग प्रस्तावित है लेकिन सिरोली गांव के कुछ काश्तकारों की आपत्तियों के कारण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि यदि कुछ काश्तकार भूमि संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र देने से इन्कार करते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

नालियां बंद, मानसून में जलभराव की आशंका

चमोली। बरसात शुरू होने वाली है लेकिन गोपेश्वर नगर की सड़कों के किनारे नालियां बंद और क्षतिग्रस्त पड़ी हैं। इससे आगामी मानसून में जलभराव की आशंका बढ़ गई है। पिछले वर्ष भारी बारिश के दौरान इंटर कॉलेज, सुभाष नगर, नैग्वाड़ और पटियालधार क्षेत्रों में सड़कों का पानी लोगों के घरों में घुस गया था लेकिन एनएच और नगर पालिका ने उससे सबक नहीं लिया है। ऐसे में इस बार भी लोगों को सड़कों का पानी उनके घरों में घुसने का डर सता रहा है। नगर के जिला अस्पताल भवन के पीछे स्थित नाली में मलबा भरा हुआ है जिससे पानी की निकासी प्रभावित हो रही है। वहीं बाईपास पर भी कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त हैं। स्थानीय अरविंद नेगी और योगेंद्र सिंह का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और लोनिवि को बरसात शुरू होने से पहले नालियों की सफाई कर उन्हें सुचारु करना चाहिए। इधर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी का कहना है कि संबंधित विभागों को इस संबंध में अवगत कराया जाएगा।

शॉर्टकट के चक्कर में रास्ता भटके चार यात्री

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर शॉर्टकट के चक्कर में चार यात्री रास्ता भटककर नदी के दूसरी ओर फंस गए। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ, वाईएमएफ व आपदा मित्रों की टीम ने देर रात तक अभियान चलाकर चारों यात्रियों को सुरक्षित निकाला और मुख्य मार्ग तक पहुंचाया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि मंगलवार देर रात चार युवक यात्री पैदल मार्ग छोड़कर शॉर्टकट से आगे बढ़ गए और नदी के दूसरे किनारे फंस गए। सूचना पर टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने यात्रियों से संपर्क कर उनकी लोकेशन हासिल की और चारों यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया। रेस्क्यू किए गए यात्रियों में साहिल कुमार (20), सुजीत कुमार (18) और हिमांशु (24) निवासी वैशाली, बिहार व रूपेश (17) निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश शामिल हैं। रात अधिक होने और आगे का मार्ग जोखिमपूर्ण होने के कारण सभी यात्रियों को लिनचोली में ही रात्रि विश्राम कराया गया। इसके बाद उन्हें उनके गंतव्य तक भेज दिया गया।

शिविर में 126 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

रुद्रप्रयाग। हेल्पेज इंडिया की सेहत परियोजना के तहत ग्राम दानकोट में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 126 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर चिकित्सकीय परामर्श लिया। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुकृति भारद्वाज व जनरल फिजीशियन डॉ. बनवारी लाल सैनी ने मरीजों की जांच की। चिकित्सकों ने महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर परामर्श दिया। इसके साथ ही महिलाओं, बुजुर्गों और अन्य ग्रामीणों की हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच भी की गई। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी प्रदीप चौहान, फार्मासिस्ट विवेक राणा, गोविंद सिंह नेगी, लैब टेक्नीशियन योगेंद्र तथा ग्राम प्रधान दानकोट पवन कुमार मौजूद रहे।

रन फॉर योग में 30 ने प्रतिभाग किया

रुद्रप्रयाग। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेदिक व यूनानी विभाग के माध्यम से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अगस्त्यमुनि में रन फॉर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष व जिला आयुर्वेदिक व यूनानी अधिकारी ने किया गया। इस दौरान लोगों को योग के प्रति जागरूक रहने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में करीब 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने दौड़ के माध्यम से नियमित योगाभ्यास, शारीरिक सक्रियता व स्वस्थ जीवन के महत्व का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास का आधार है।

खाई में गिरा व्यक्ति

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय स्थित मुख्य बाजार पेट्रोल पंप के पास एक व्यक्ति अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित निकाला। घायल को स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। अपर उपनिरीक्षक हरीश बंगारी ने बताया कि मंगलवार सुबह जिला नियंत्रण कक्ष से सूचना मिली कि पेट्रोल पंप के निकट एक व्यक्ति खाई में गिर गया है।

हाथी ने महिला को सूंड से उठाकर खेत में फेंका

कोटद्वार। दुगड्डा ब्लॉक के घाड़ क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामसभा उतिर्छा के गड़ेथ गांव में मंगलवार सुबह एक हाथी ने महिला को सूंड से उठाकर खेत में फेंक दिया। महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हाथी ने महिला के मकान की छत और पालतू पशुओं को बांधने के लिए बनाए गए छप्पर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घायल महिला का बेस अस्पताल कोटद्वार में उपचार चल रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गड़ेथ गांव निवासी सुमति देवी (60) पत्नी बलवीर सिंह मंगलवार सुबह करीब छह बजे घर से सटी गोशाला में गाय का दूध निकाल रही थीं। इसी दौरान उनकी बछिया भागकर बाहर की ओर आ गई। बछिया को पकड़ने के लिए जैसे ही वह गोशाला से बाहर आईं उनका सामने खड़े हाथी से सामना हो गया। हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर दूसरे खेत में फेंक दिया। हाथी के हमले से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हाथी ने झोपड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। महिला की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शोर मचाकर किसी तरह हाथी को आबादी क्षेत्र से दूर खदेड़ा। परिजनों ने घायल महिला को तत्काल बेस अस्पताल कोटद्वार में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार महिला की छाती और कंधे पर चोटें आई हैं। ग्राम प्रधान रीना देवी ने बताया कि क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। उन्होंने वन विभाग से प्रभावित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने और क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की मांग की। उधर, रेंजर विपिन चंद्र जोशी ने अस्पताल पहुंचकर घायल महिला से घटना की जानकारी ली। उन्होंने महिला के हाथी के हमले में घायल होने की पुष्टि की है। घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। उपचार के बाद मुआवजे के लिए रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को भेजी जाएगी। क्षेत्र में वनकर्मियों की गश्त बढ़ा दी गई है।

आधार अपडेट पर प्रशासन सख्त, स्कूलों में लगेंगे विशेष शिविर

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक में 5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके लिए स्कूलों में विशेष आधार शिविर आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में यूआईडीएआई देहरादून के प्रोजेक्ट मैनेजर मनु त्रिपाठी ने बताया कि जिले में वर्तमान में 38 आधार सेवा केंद्र संचालित हैं। 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आधार नामांकन के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों, अस्पतालों एवं विशेष शिविरों के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि नया आधार नामांकन पूर्णतः निशुल्क है, जबकि 5 से 7 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी बिना शुल्क किया जा रहा है। नाम, पता व जन्मतिथि आदि संशोधन के लिए 75 रुपये तथा बायोमेट्रिक अपडेट के लिए 125 रुपये शुल्क निर्धारित है।

पूर्व छात्र मिलन समारोह, 263 दिशा ध्याणी बेटियों का हुआ सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सतपुली : कुंज नवयुवती ट्रस्ट, सतपुली द्वारा रामलीला मैदान में पूर्व छात्र मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की 263 दिशा ध्याणी बेटियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों एवं समाज में योगदान का अभिनंदन किया गया। समारोह का शुभारंभ नगर पंचायत सतपुली के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी, पूर्व जिला सहकारी बैंक निदेशक नरेंद्र सिंह नेगी, जिला पंचायत सदस्य पूनम कैंथुरा तथा पूर्व ब्लॉक प्रमुख पोखड़ा सुरेंद्र सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोकगायक गजेंद्र राणा, मंगलेश डंगवाल एवं विवेक नौटियाल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन की यादें साझा करते हुए आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। आयोजन समिति द्वारा क्षेत्र की बेटियों, जिन्हें स्थानीय परंपरा में ह्लदिशा ध्याणीह्व कहा जाता है, का विशेष सम्मान किया गया। कुल 263 दिशा ध्याणी बेटियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का संचालन मीनू डंगवाल एवं नीलम चौहान ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य उमेद सिंह रावत ने की। कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व प्रधान जगदम्बा प्रसाद डंगवाल ने विभिन्न राज्यों से आई दिशा ध्याणी बेटियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सहभागिता से आयोजन को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों और क्षेत्रवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सत्यनारायण वेदी ने किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य आंचला नंद डोबरियाल, लोकेश वर्मा, हरि सिंह, प्रिंस भट्ट, संजय कुकरेती, सौरभ बिष्ट, मनीष रौथेला, पुष्पा असवाल, रेनू घिल्डियाल एवं बॉबी खंतवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण पूर्व छात्रा मेनका रावत की 15 वर्षीय पुत्री काशवी रावत रहीं। पंजाब में निवास करने के बावजूद काशवी ने गढ़वाली गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके गीतों पर पूरा पंडाल झूम उठा और उपस्थित पूर्व छात्र-छात्राओं ने उनके साथ यादगार तस्वीरें भी खिंचवाईं।

सिख श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में मारपीट, धारदार हथियार चले, कई घायल

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर मंगलवार को अचानक स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब हेमकुंड साहिब की यात्रा से लौट रहे सिख समुदाय के कुछ यात्रियों की स्थानीय लोगों से मामूली बात पर कहासुनी हो गई। यह विवाद मारपीट और खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंगलवार को रोजाना की भांति बदरीनाथ हाईवे पर वाहनों की आवाजाही सामान्य थी। सुबह 10 बजे चार से पांच सिख यात्री कर्णप्रयाग बाजार पहुंचे। इसी दौरान एक होटल के सामने बाइक में बैठे तीर्थ यात्रियों का होटल मालिक के लड़के से वाहन पार्क करने पर विवाद हो गया। कहासुनी कुछ ही देर में इतनी बढ़ गई कि सिख तीर्थ यात्रियों ने तलवारें निकाल दी और 24 वर्षीय उस लड़के पर टूट पड़े। उन्होंने उसके सिर, कमर, हाथ को लहू लुहान कर दिया। इसके बाद वहां भीड़ जमा हो गई और गुस्साए लोगों ने हमला करने वाले तीर्थ यात्रियों को पकड़ लिया। इसके बाद भी तीर्थ यात्री नहीं रुके और स्थानीय लोगों पर तलवार से हमला करना जारी रखा इस घटना में चार स्थानीय लोग जख्मी हो गए। हमले के दौरान एक तीर्थ यात्री को लोगों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद उस यात्री के अन्य साथी भाग गए। उन्हें स्थानीय लोगों ने गौचर में पकड़ा। युवक को गंभीर हालत में पहले जिला अस्पताल फिर एयर लिफ्ट कर देहरादून रेफर किया गया है।

घटना को लेकर स्थानीय व्यापारियों और निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने तुरंत पुलिस चौकी परिसर और बदरीनाथ हाईवे को जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और चक्काजाम की स्थिति पैदा हो गई। करीब 15 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इससे हजारों तीर्थयात्री फंस गए। माहौल बिगड़ता देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से अन्य यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया है।

डीएसपी बनीं प्रकृति नेगी ने युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

उत्तरकाशी। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयनित होकर जनपद का गौरव बढ़ाने वाली प्रकृति नेगी का होटल एसोसिएशन और अनघा फाउंडेशन की ओर से नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनकी सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का संदेश दिया। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने प्रकृति नेगी को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि उनकी उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है, जबकि जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। होटल एसोसिएशन अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह मटूडा ने भी शॉल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा आयोजन में सहयोग देने वालों का आभार जताया। नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान और अनघा फाउंडेशन के संरक्षक अजय पुरी ने भी सम्मान प्रदान किया। इस दौरान प्रकृति नेगी ने श्री काशी विश्वनाथ गुरुकुलम के 47वें सत्र में बाल सेवकों को संबोधित करते हुए अपने अनुभव साझा किए और निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। समारोह में उनके परिजन माता-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों का भी सम्मान किया गया।

बंजी जंपिंग के बाद बिगड़ी युवक की तबीयत

सीने में हुआ तेज दर्द, परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, मौत

नई टिहरी। श्रीनगर धारी देवी के दर्शन कर परिजनों के साथ लौट रहे देहरादून के एक युवक की बंजी जंपिंग करने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बंजी जंपिंग के बाद युवक को अचानक पेट और सीने में तेज दर्द के साथ सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिसके बाद परिजन उसे पास के एक लॉज में ले गए। वहां हालत बिगड़ने और बेहोश होने पर उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, प्राथमिक दृष्टि में मौत की वजह सिंकोप अटैक (अचानक बेहोश होना या दिल की धड़कन रुकना) हो सकती है। मिली जानकारी के अनुसार, देहरादून के शांति विहार, कालागढ़ निवासी संजीव रस्तोगी का 21 वर्षीय पुत्र लक्ष्य रस्तोगी अपने परिवार के साथ धारी देवी के दर्शन कर लौट रहा था। इसी दौरान मूल्यगांव के पास स्थित एक बंजी जंपिंग पॉइंट पर पहुंचकर लक्ष्य ने बंजी जंपिंग करने की इच्छा जताई। परिजनों की सहमति पर वह चला गया। सिंकोप अटैक या कार्डियक स्ट्रोकः अलकनंदा नदी के ऊपर रोमांचक बंजी जंपिंग कर जब वह वापस ऊपर आया, तो उसने अचानक पेट और सीने में तेज दर्द की शिकायत की। तबीयत बिगड़ती देख परिजनों ने तुरंत पास के रामकुंड लॉज में एक कमरा ले लिया ताकि लक्ष्य थोड़ा आराम कर सके। हालांकि, कुछ ही देर में उसका दर्द असहनीय हो गया और वह बेहोश हो गया।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने किया जनसंपर्क

चमोली। महिला बेस चिकित्सालय सिमली को पूर्ण बेस अस्पताल का दर्जा देने की मांग के लिए बेस अस्पताल संघर्ष समिति सिमली ने कपीरी पट्टी के कंडारा और किमोली आदि गांवों में जनसंपर्क किया। समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कपीरी पट्टी के ग्राम पंचायतों में जन संपर्क कर जन-प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से 18 जून को सिमली में होने वाली महापंचायत के लिए निमंत्रित किया है। इस मौके पर क्षेपंस नरेंद्र तोपाल शास्त्री, जयकृत सिंह पंवार, जयदीप गैरोला, बीएन डिमरी, प्रकाश चंद्र सेमवाल आदि मौजूद थे।

धसपड़ गांव में लागू होगी रिकैप फॉर एनडीसी परियोजना

अल्मोड़ा। सिविल सोयम वन प्रभाग की जागेश्वर रेंज के अंतर्गत धसपड़ गांव को रिकैप फॉर एनडीसी परियोजना के लिए चयनित किया गया है। परियोजना के तहत प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल स्रोतों के पुनर्जीवन, जलवायु अनुकूल आजीविका विकास और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसकी जानकारी चेतना केंद्र में आयोजित कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्थानीय हितधारकों और ग्रामीणों ने भाग लिया।

इस दौरान पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के महत्व, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने कहा कि वन, जल स्रोत, जैव विविधता और अन्य प्राकृतिक संसाधन मानव जीवन तथा आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं। बदलते जलवायु परिदृश्य में इनके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण हटाने पर बनी सहमति

रुद्रपुर। असद जावेद, खटीमा। भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में बेहतर समन्वय और सीमा संबंधी समस्याओं के समाधान को लेकर महेंद्रनगर, नेपाल में सोमवार को दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें सीमा पर अतिक्रमण हटाने और क्षतिग्रस्त पिलरों के पुनर्स्थापन पर सहमति बनी। बैठक में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित नो-मैन्स लैंड में हो रहे अतिक्रमण, क्षतिग्रस्त सीमा पिलरों के पुनर्स्थापन और सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और आपसी सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक में एसएसबी और सर्वे विभाग की टीमों सहित दोनों देशों के प्रशासनिक एवं सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान संयुक्त सर्वेक्षण के माध्यम से क्षतिग्रस्त सीमा पिलरों की पहचान करने और नो-मैन्स लैंड पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए संयुक्त कार्रवाई करने पर सहमति बनी। ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कहा कि सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए भारत और नेपाल के अधिकारियों के बीच नियमित संवाद और बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों की टीमें जल्द संयुक्त कार्रवाई शुरू कर क्षतिग्रस्त पिलरों के पुनर्स्थापन और अतिक्रमण हटाने का कार्य करेंगी। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में लखीमपुर खीरी के डीएम अंजनी कुमार सिंह, पीलीभीत डीएम ज्ञानेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

अब नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भातरीय टीम की बल्लेबाज और गेंदबाज भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। स्मृति मंधाना और कप्तान हरमन प्रीत कौर ने पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इस सिलसिले को ये बनाये रखना चाहेगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और जैमिमा रोड्रिक्स इस मेच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

पहले मैच में असफल रही बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों को भी अपने में सुधार करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ क्षेत्ररक्षण उतना अच्छा नहीं था जिसमें सुधार की जरुर है। । गेंदबाजी विभाग में, स्पिनर दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने आठ विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। जिसे ये जारी रखने उतरेंगी।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ पहले मैच में अधिक असरदार नहीं रही थी1 नीदरलैंड के खिलाफ उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन पर जोर देना रहेगा।

दूसरी और नीदरलैंड को पहले ही मैच में बांग्लादेश से छह विकेट से हार झेलनी पड़ी है और उसे सभी विभागों में महत्वपूर्ण सुधार करना होगा। नीदरलैंड की कप्तान बैबेट डी लीडे ने कहा÷मुझे लगता है कि खेल के सभी तीन पहलुओं में, हम पीछे रहे। ÷ अब टीम भारत जैसी अच्छी टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटरों ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था। वहीं, वैभव सूर्यवंशी के जवाब देने को लेकर भी मतभेद दिखे। हालाँकि उनका गुस्सा जायज़ था, कई लोगों का मानना था कि उन्हें विरोधी खिलाड़ी को धक्का नहीं देना चाहिये था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार पांड्या मांसपेशियों की चोट से उबर गये हैं और अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार पांड्या जल्द ही मैदान पर प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा निर्धारित पुनर्वास कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं। इस दौरान चिकित्सा टीम उनकी प्रगति पर लगातार नजर रखे हुए है और उनकी रिकवरी के हर पहलू पर करीब से नजर रख रहे हैं। सीओई के विशेषज्ञ इस दौरान इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न की जाये जिससे उनकी वापसी पूर्ण फिटनेस के साथ हो।

सूत्रों के अनुसार, हार्दिक इस सप्ताह के अंत तक जॉगिंग और सामान्य दौड़ना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद, वह धीरे-धीरे नेट्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास भी शुरू करेंगे। यह उनके पुनर्वास का एक महत्वपूर्ण चरण होगा, जहां उनकी शारीरिक क्षमता और चोट के ठीक होने की स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा। मेडिकल टीम यह पक्का करना चाहती है कि मैदान पर वापसी से पहले वह पूरी तरह से मैच फिट हों।

यदि सब कुछ योजना के अनुसार चलता रहा और हार्दिक उम्मीद के मुताबिक ठीक होते गए, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से एक बार फिर मैदान पर वापसी कर सकते हैं। पांड्या टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वह टीम को संतुलन देते हैं। अपनी तेज गेंदबाजी से मध्य ओवरों में विकेट दिलाते हैं और निचले क्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करके मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में टीम के लिए पांड्या की फिटनेस बेहद अहम मानी जा रही है।

अफगानिस्तान ए के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

दाम्बुला (एजेंसी)। लगातार दो हार के बाद IPL सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को यहां अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय श्रृंखला के करो या मरो के मुकाबले में जीत के साथ वापसी की कोशिश करेगी। टूर्नामेंट में मेजबान श्रीलंका ए सहित सभी तीन टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी जिसके बाद फाइनल में पहुंचने वाली दो टीम तय होंगी।

दो हार ने भारतीय टीम पर दबाव जरूर बढ़ाया है लेकिन अफगानिस्तान ए के खिलाफ जीत से फाइनल में पहुंचने की टीम की उम्मीदें बढ़ जाएंगी। मेजबान श्रीलंका तीन मैच में दो जीत और एक हार से चार अंक तथा 0.494 के नेट रन रेट के साथ सबसे ऊपर है जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला काफी महत्वपूर्ण हो गया है। भारत और अफगानिस्तान दोनों के समान दो-दो अंक हैं। भारत हालांकि अफगानिस्तान के माइनस 1.392 के मुकाबले 0.032 के बेहतर नेट रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है।

तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम को अधिक मजबूती दिखानी होगी और उम्मीद करनी होगी कि खराब मौसम उनके मौकों में रुकावट नहीं डाले। अफगानिस्तान ए की टीम अगर कल जीत दर्ज करती है तो भारत ए का सफर टूर्नामेंट में खत्म हो जाएगा। हालांकि हार के बावजूद अफगानिस्तान के पास मौका होगा और अगर वह अगले मैच में मेजबान टीम को हरा देता है तो फिर तीनों टीम के चार अंक हो जाएंगे और ऐसी स्थिति में नेट रन रेट महत्वपूर्ण हो जाएगा।

भारत ए ने अफगानिस्तान ए के खिलाफ पिछले मैच में 9 विकेट पर 349 रन का बड़ा स्कोर बनाया था। अफगानिस्तान ए ने हालांकि 25.5 ओवर में 2 विकेट पर 177 रन बनाने के बाद डकवर्थ लुईस पद्धति से मैच चार रन से जीत लिया। भारतीय टीम

अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में नाकाम रही है। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भी श्रीलंका ए के खिलाफ 8 रन की जीत के दौरान टीम को काफी संघर्ष करना पड़ा था। सोमवार को कम रोशनी के बीच हुए सुपर ओवर में हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के कुगाथस मथुलन के बीच हुई बहस ने टूर्नामेंट में रोमांच भर दिया है।

सुपर ओवर में 17 रन का पीछा करते हुए भारतीय टीम सिर्फ 9 रन ही बना सकी। ओवर की आखिरी तीन गेंद का सामना सूर्यवंशी ने किया। सूर्यवंशी जब अपने जोड़ीदार सूर्यांश शेडगे के साथ मैदान से वापस लौट रहे थे तो वह श्रीलंकाई खिलाड़ियों के उस समूह की ओर मुड़े जो जोर-शोर से जश्न मना रहा था और इसी वजह से बहस हो गई। सूर्यवंशी से उम्मीद थी कि वह आईपीएल की अपनी फॉर्म को त्रिकोणीय श्रृंखला में भी जारी रखेंगे लेकिन सूर्यवंशी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं। अब तक उन्होंने 14, 44 और 21 रन बनाए हैं।

बुधवार को होने वाला मुकाबला उन्हें अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका देगा। ऋतुराज गायकवाड़ का प्रदर्शन भारत ए के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 68 की औसत से 204 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनके साथ कप्तान तिलक वर्मा (149) का योगदान भी जरूरी होगा जिन्होंने अब तक तीन मैच में दो अर्धशतक लगाए हैं। शेडगे, प्रभसिमरन सिंह और विपराज निगम ने भी एक-एक अर्धशतक लगाया है। अरशद खान, अनुकूल रॉय और आयुष बडोनी ने अब तक तीन मैच में चार-चार विकेट लिए हैं लेकिन इस प्रतियोगिता में विरोधी खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

इस बीच भारत ए ने चोटिल युद्धवीर सिंह की जगह तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया है। अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया था लेकिन श्रीलंका ए के खिलाफ उसे आठ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, कुमार कुशाग्र, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह, अंशुल कंबोज, अनुकूल रॉय, निशांत सिंधू, सूर्यांश शेडगे, अरशद खान, अशोक शर्मा, विपराज निगम और यश ठाकुर। समय-मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रॉ

लॉस एंजिल्स । फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबॉल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा। इसमें एक ही दिन में चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबॉल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा। 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्रॉ का सिलसिला आधुनिक फुटबॉल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई। अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल-रहित ड्रॉ (0-0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया। स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया। एमम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया। सिएटल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

भारत के लिए दीप्ति शर्मा के प्रभाव की बराबरी कोई ऑलराउंडर नहीं कर सकता : पूर्व भारतीय कप्तान

नई दिल्ली । भारत की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय क्रिकेट पर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के प्रभाव की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया में बहुत कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनमें बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग या इन तीनों के संयोजन से खेल को प्रभावित करने की क्षमता होती है।

दीप्ति ने बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए महिला टी20 विश्व कप के मैच में मैच विजेता प्रदर्शन किया। उन्होंने पांच विकेट लेकर भारत को अपने पहले मैच में 64 रन से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंजुम ने कहा, 'मुझे कोई ऐसा ऑलराउंडर याद नहीं है जिसने भारत के लिए खेलते हुए इतना प्रभाव डाला हो। हमारे पास ऑलराउंडर रहे हैं, लेकिन जब लगातार प्रभाव डालने की बात आती है, तो मुझे लगता है कि दीप्ति शर्मा न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में उन कुछेक खिलाड़ियों में से एक हैं जो किसी भी टीम की तरफ से खेलते हुए अहम योगदान दे सकती हैं।' उन्होंने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भारत की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल है। उसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है। केवल दीप्ति ही नहीं मौजूदा भारतीय टीम में कुछ और क्रिकेटर भी हैं जो सुर्खियों में रहना पसंद करते हैं। यही बात इस टीम को खास बनाती है क्योंकि उन्हें दबाव वाले मैचों में अपना खास प्रभाव छोड़ना पसंद है।' अंजुम ने कहा कि मौजूदा विश्व कप में भारत की संभावनाएं काफी हद तक स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर निर्भर करेंगी। उन्होंने कहा, वह एक स्टार खिलाड़ी हैं। वह स्टाइलिश बल्लेबाज हैं और लगातार रन बनाकर भारत को मैच जिताने में मदद करती हैं। मैंने हमेशा स्मृति को एक कुशल बल्लेबाज के रूप में देखा है।' अंजुम ने कहा, 'मैं उन्हें भारत के लिए खेलने वाली अब तक की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तो नहीं कहूंगी, लेकिन वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी बल्लेबाज हैं। वह लगातार रन बनाती रहती हैं और इसी वजह से उन्होंने कई बार आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है।'

भारत ने जापान को हराकर नेशंस कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एफआईएच नेशंस कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की दूसरी जीत थी। उसने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराया था। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

भारत के लगातार दूसरी जीत से छह अंक हो गए हैं और उसने अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। भारत ने तीसरे क्वार्टर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जब फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लगातार दबाव बनाने के बाद सलीमा टेटे ने 33वें मिनट में गोल दागा। भारत की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और जापान ने इसके दो मिनट बाद ही ऐ हिरमित्सु के गोल से स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने हालांकि 49वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

जापान ने अंतिम क्षणों में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन भारत ने उसके हमलों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की। यह मैच मिडफील्डर ज्योति के लिए भी एक यादगार अवसर था, जिन्होंने सीनियर स्तर पर अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। पहले हाफ में काफी करीबी मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन मध्यांतर से पहले कोई भी गोल करने में असफल रही। तीसरे क्वार्टर में खेल में तब जान आ गई जब भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त हासिल की।

निक्की प्रधान ने नवनीत कौर के शॉट को बड़ी कुशलता से सलीमा की ओर मोड़ दिया, जिन्होंने सहजता से गेंद को गोल में डाल दिया।

जापान ने तुरंत ही पलटवार किया और 35वें मिनट में हिरमित्सु ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने अंतिम क्वार्टर में निर्णायक गोल दागा। सुशीला चानू ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया और लालरेम्सियामी ने बड़ी कुशलता से गेंद को नेट में डालकर भारत को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। भारत पूल ए के अपने आखिरी मैच में उरुग्वे का सामना करेगा, जबकि जापान और अमेरिका इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आपस में भिड़ेंगे।

चैंपियन अर्जेंटीना और मेसी अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार

कैनसस सिटी । अर्जेंटीना 17 जून को अल्जीरिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा। मौजूदा चैंपियन शानदार जीत के साथ अपने खिताब का बचाव शुरू करना चाहेंगे। 2022 में ट्रॉफी जीतने के बाद, लियोनेल मेसी और उनकी टीम एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल होगी। वहीं अल्जीरिया भी अच्छे नतीजों के बाद आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रहा है। अनुभवी और युवा अटैकिंग टैलेंट वाली अपनी प्रतिभाशाली टीम के साथ, वे मौजूदा चैंपियन को चुनौती देने और शुरुआत में ही अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। इस बीच अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने चेतावनी दी है कि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अल्जीरिया के खिलाफ अपने खिताब के बचाव की शुरुआत करते समय कतर 2022 के बुरे सपने को दोहराने का जोखिम नहीं उठा सकती, क्योंकि ' 'हर कोई हमें हराना चाहेगा।' सोमवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, 38 वर्षीय सेंटर-बैक - जो अपना चौथा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं - ने कहा कि चार साल पहले अर्जेंटीना की शुरुआती चौंकाने वाली हार की याद अभी भी एक बड़ा सबक है। ओटामेंडी ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं हर दिन और अपने साथियों के साथ समय का आनंद लेता हूं, और यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका मैं बहुत आनंद लेता हूं। अपने चौथे वर्ल्ड कप में होना, सच कहूं तो यहां होने और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बेहतर कुछ नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यहां होने और मुकाबला करने, खिताब का बचाव करने के मौके के लिए बहुत खुश हूं, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं।' ओटामेंडी ने कहा कि वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में आने वाली अर्जेंटीना ने अमेरिका में इकट्ठा होने से काफी पहले ही अपनी तैयारी शुरू कर दी थी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैच शुरू होने के बाद पसंदीदा टीम माने जाने का कोई खास मतलब नहीं रह जाता। उन्होंने कहा, 'हम ब्यूनस आयर्स से ही तैयारी कर रहे हैं, और नए खिलाड़ियों के साथ यहां आकर हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हम चैंपियन हैं। हर कोई हमें हराना चाहेगा इसलिए हमें ऐसी तैयारी करनी होगी जो अलग न हो। हमें अपना सब कुछ देना होगा और मुझे लगता है कि माहौल अच्छा है।' इस अनुभवी खिलाड़ी ने पिछले वर्ल्ड कप की शुरुआत में सऊदी अरब से अर्जेंटीना की 2-1 से हुई हार का भी जिक्र किया, जिसने उनकी लगातार 36 मैचों की अजेय लय को तोड़ दिया था। ओटामेंडी ने कहा, 'जहां तक प्रतिद्वंद्वी की बात है, हमारे सामने कतर में हुई शुरुआत का उदाहरण है। हम जानते हैं कि कोई भी टीम आपके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। हमें अपना खेल खेलना है, हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं।' अर्जेंटीना मंगलवार को कैनसस सिटी स्टेडियम में अल्जीरिया का सामना करेगा, जिसके बाद वह डलास में ग्रुप जे में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से खेलेगा।

फेसबुक पेज के खिलाफ सौरभ गांगुली ने की शिकायत, छवि खराब करने के आरोपों पर पुलिस जांच शुरू

कोलकाता। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सार्वजनिक हस्तियों की छवि और प्रतिष्ठा को लेकर विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने एक फेसबुक पेज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। गांगुली का आरोप है कि उक्त पेज पर उनके बारे में भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री साझा की जा रही है, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंच रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया है। बताया गया है कि सौरभ गांगुली ने कोलकाता के ठाकुरपुकुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए सौरव गांगुली फेंस नाम के फेसबुक पेज पर आपत्ति जताई है। यह पेज खुद को एक अनौपचारिक फैन पेज बताता है, लेकिन गांगुली का कहना है कि यहां प्रकाशित कुछ पोस्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और उनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करना है। शिकायत में उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते वह आलोचना का सम्मान करते हैं, लेकिन झूठी और भ्रामक जानकारी के प्रसार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। गांगुली ने पुलिस को बताया कि संबंधित फेसबुक पेज के लाखों फॉलोअर्स हैं, जिसके कारण वहां साझा की गई सामग्री बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचती है। उनका मानना है कि ऐसे पोस्ट न केवल लोगों को गुमराह कर सकते हैं, बल्कि उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने मांग की है कि पेज का संचालन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन विशेष पोस्टों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि पेज का संचालन कौन कर रहा है और विवादित सामग्री किस उद्देश्य से साझा की गई थी।

टीम को विश्व कप के मैच के बाद तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया : ईरान के कोच

इंगलवुड (अमेरिका) (एजेंसी)। ईरान की विश्व कप टीम के कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि सोमवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ बराबर रहने के कुछ ही घंटों बाद उन्हें अमेरिका छोड़ने और मैक्सिको में अपने अभ्यास स्थल में लौटने का आदेश दिया गया। घालेनोई ने यह नहीं बताया कि ईरान की टीम को तय समय से पहले रवाना होने का आदेश किसने दिया था। टीम ने अपने पहले मैच के बाद थकान से उबरने के लिए कैलिफोर्निया में रात बिताने की योजना बनाई थी, लेकिन मैच के बाद उन्हें बताया गया कि सभी को तुरंत विमान से 140 मील की दूरी तय करके तिजुआना वापस लौटना होगा।

घालेनोई ने कहा, 'उन्होंने हमें आराम करने का समय तक नहीं दिया। मैच के बाद हमसे कहा गया कि हमें तुरंत यहां निकलना होगा। हमारे लिए आराम करना बहुत जरूरी है, लेकिन हमें तिजुआना स्थित अपने शिविर में वापस लौटने के लिए कहा जा रहा है। हम इससे बहुत परेशान हैं।'

अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने के बाद ईरान की फुटबॉल टीम के लिए स्थिति अच्छी नहीं रही है और उन्हें पर्याप्त अभ्यास का मौका भी नहीं मिला है। उसने अपने मैच अमेरिका से स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था जिसे विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अस्वीकार कर दिया था। घालेनोई ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमें नहीं पता कि वे हमें वापस क्यों भेज रहे हैं। मुझे यह बहुत अजीब लग रहा है। ऐसा लगता है कि हमारे लिए योजना कोई और बना रहा है। हमारे लिए फैसले कहीं और लिए जा रहे हैं। हमें मैच से दो रात पहले आना था, और आज रात आराम करने के लिए रुकना था और कल दोपहर वापस लौटना था। हमें बिल्कुल भी पता नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है।'

ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि टीम को रविवार को तिजुआना से लॉस एंजिलिस तक की कम अवधि की यात्रा के बावजूद पांच घंटे की यात्रा और सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। मैच के लगभग एक घंटे बाद तारेमी ने कहा, 'हमें अभी लॉस एंजिलिस छोड़ना होगा। यह हमारे लिए अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि फीफा को हमारी इससे ज्यादा मदद करनी चाहिए। हमारे लिए सब कुछ एक आपदा जैसा है।'

टी20 विश्व कप में आज तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है आयरलैंड

लंदन । इंग्लैंड में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्वकप क्रिकेट में दुनिया भर की 12 टीमें खिताबी जीत के इरादे से उतरी हैं। इन्हीं में से एक है आयरलैंड की महिला क्रिकेट टीम, ऐसी है जिसे आज तक एक बार भी टी20 विश्वकप में जीत नहीं मिली है। इस बार भी उसे पहले ही मैच में स्कॉटलैंड ने हराया है। इस प्रकार उसे अब तक 18वीं हार मिली है। जिस कारण से इसे बदकिस्मत टीम तक लोग कहने लगे हैं। महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में आयरलैंड ही अकेली टीम है जो जो हर बार जीत के करीब आकर भी दूर रह जाती है या पूरी तरह से पिछड़ जाती है। वैसे तो आयरलैंड को महिला क्रिकेट की दुनिया में एक अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जाता है पर टी20 प्रारूप अपनी अप्रत्याशितता और उलटफेरों के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद, आयरलैंड इस बड़े मंच पर अपनी पहली जीत का स्वाद नहीं चख पाई है। स्कॉटलैंड के खिलाफ इस बार हुए मुकाबले में आयरलैंड को 40 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 161 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, आयरलैंड की पूरी टीम 121 रन ही बना पायी। आयरलैंड की बल्लेबाजी इस मैच में पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई नजर आई, जहां उनके छह खिलाड़ी दो अंक तक भी नहीं पहुंच पायी। इससे अंदाजा हाता है कि टीम का प्रदर्शन कितना कमजोर रहा।